हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 1 फरवरी 2026

तापमान
अधिकतम 23 .0 डिग्री
न्यूनतम 4 .5 डिग्री

12 गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती की उपलक्ष्य...

12 बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी परखने के लिए डीईओ का...

खबर संक्षेप

कार ने बुलेट को मारी टक्कर, युवक की मौत

बराड़ा। गांव अकालगढ़ बस स्टैंड के पास शुक्रवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बुलेट मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई। हादसा तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाई जा रही कार की टक्कर से हुआ। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव अकालगढ़ निवासी लखविंद्र सिंह ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि शुक्रवार 30 जनवरी को वह शाम करीब 5: 20 बजे गांव के बस स्टैंड पर खड़ा था। इसी दौरान अधोया की ओर से बीड़ मंगौली की तरफ जा रही बुलेट मोटरसाइकिल को पीछे से आ रही एक कार ने तेज रफ्तार और लापरवाही से सीधी टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बुलेट सवार सड़क पर गिर गया और उसके सिर में गंभीर चोटें आईं।

जेवरात चोरी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना महेशनगर में दर्ज जेवरात व नकद राशि चोरी मामले में पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी अशोक कुमार निवासी जसवन्त पुरी, मुजफ्फरनगर यूपी वर्तमान पता दुर्गानगर अम्बाला छावनी व किशनपाल निवासी माजावाली कच्ची सड़क मुजफ्फरनगर यूपी वर्तमान पता दुर्गा नगर अम्बाला छावनी जिला अम्बाला को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेशानुसार 04 दिन का पुलिस रिमाण्ड प्राप्त किया था। रिमाण्ड के दौरान आरोपियों से गहनता से पूछताछ की गई।

धोखाधड़ी कर युवक से हड़पे 10 लाख 30 हजार

यमुनानगर। शहर की पृथ्वी नगर निवासी रमनदीप सिंह ने शिव कॉलोनी निवासी लविश कुमार पर हेराफेरी करके 10 लाख 30 हजार रुपए हड़पने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी लविश कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार रमनदीप सिंह ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शिव कॉलोनी निवासी लविश कुमार के साथ जान पहचान थी। आरोपी ने नौ अगस्त 2025 से लेकर एक अक्टूबर 2025 के बीच में उसके साथ हेरा फेरी करके 10 लाख 30 हजार रुपए हड़प लिए।

चोरी के मामले में एक अन्य आरोपी गिरफ्तार

मुलाना। थाना मुलाना में दर्ज चोरी के मामले में 30 जनवरी 2026 को प्रबन्धक थाना मुलाना व पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए एक अन्य आरोपी रवि कुमार निवासी गाँव सीरसगढ़ जिला अम्बाला को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया । आरोपी के खिलाफ पहले भी कई अन्य मामले भी दर्ज है। इस मामले के सम्बन्ध में शिकायतकर्ता साजिद निवासी गांव कुतुबपुर सरसावा सहारनपुर यूपी ने 18 दिसम्बर 2025 को थाना मुलाना में शिकायत दर्ज करवाई थी।

मुख्यमंत्री ने 35वीं सब जूनियर नेशनल खो-खो चैम्पियनशिप का किया उद्घाटन

हमारी भारतीय मिट्टी की खुशबू को बिखेरता है खो-खो: सैनी

- सैनी ने एसो. को 21 लाख रुपये देने की घोषणा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खो-खो केवल एक खेल नहीं है, यह हमारी भारतीय मिट्टी की खुशबू है। यह ऐसा खेल है जो हमें सिखाता है कि संसाधनों की कमी कभी भी प्रतिभा के मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। इसमें न तो महंगे उपकरणों और न ही बड़े मैदानों की आवश्यकता होती है। इसमें फुर्ती, रणनीति, टीम वर्क, अनुशासन और तीव्र निर्णय क्षमता की आवश्यकता होती है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को केशव पार्क में 35वीं सब जूनियर नैशनल खो-खो चैम्पियनशिप (लडके, लड़कियां) के उदघाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधिवत रूप से खेलों के शुभारंभ की घोषणा की तथा एसोसिएशन को 21 लाख रुपए देने की घोषणा की और खिलाड़ियों से मिलकर परिचय भी लिया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार और राज्यसभा के सासंद सुभाष बराला ने भी खिलाड़ियों को सम्बोधित किया तथा आयोजकों को बेहतरीन आयोजन के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में खेलों के लिए एक स्पष्ट और दूरदर्शी विजन तैयार किया। इसका उद्देश्य था हर बच्चे को खेल से जोड़ना, हर गांव में खेल का मैदान विकसित करना और हर उस युवा को अवसर देना, जिसमें खेल के प्रति जुनून और क्षमता है। इसी उद्देश्य से हम प्रदेश में वर्षभर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को वर्ष 2036 के ओलंपिक के लिए तैयार करने और देश को एक वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने का सपना देखा है। खेलो इंडिया, फिट इंडिया जैसे अभियान इसी सोच का परिणाम हैं। हरियाणा को खेलों की नर्सरी कहा जाता है, जहां से निकले खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

कुरुक्षेत्र। मुख्यमंत्री नायब सैनी को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक।

1080 खिलाड़ी पहुंचे

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक, गुजरात से लेकर पूर्वोत्तर भारत तक, लगभग 1080 बालक एवं बालिका खिलाड़ी यहां अपनी प्रतिभा, परिश्रम और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करने आए हैं।

34 टीमों ने लिया हिस्सा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मुझे अत्यंत हर्ष और गौरव का अनुभव हो रहा है, यह वही धरती है जहां युगों पूर्व भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कर्म, कर्तव्य और अनुशासन का अमर संदेश दिया था। इसी धरती से खो-खो जैसे भारतीय पारंपरिक खेल के माध्यम से अनुशासन, समर्पण, टीम भावना और राष्ट्र एकता का संदेश पूरे देश में गूंज रहा है। यह केवल एक खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ नहीं है, बल्कि भारत की खेल संस्कृति, युवा शक्ति और उज्ज्वल भविष्य का उत्सव है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2012 में इस स्तर की प्रतियोगिता हरियाणा में आयोजित हुई थी और आज लगभग 12-13 वर्षों के बाद हम पुनः इस राष्ट्रीय खेल महाकुंभ के साक्षी बन रहे हैं। भारत के सभी राज्यों एवं अन्य खेल इकाइयों की 34 टीमें इस प्रतियोगिता में भाग ले रही हैं, जो यह दर्शाता है कि खो-खो जैसे पारंपरिक खेल के प्रति देशभर में कितना उत्साह है।

पहले दिन खो-खो के खेले गए कुल 40 मैच

हरियाणा स्पोर्ट्स खो-खो एसोसिएशन के प्रधान जवाहर सिंह यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि यह प्रतियोगिता 5 दिन तक चलेगी और इस प्रतियोगिता में पूरे भारत से टीमें आई है। पहले दिन प्रतियोगिता में कुल 40 मैच खेले जा रहे है और उद्घाटन अवसर पर चंडीगढ़ और विदर्भ के बीच मैच खेला जा रहा है। खो-खो फेडरेशन आफ इंडिया के महासचिव उपकार सिंह विर्क ने कहा कि खो-खो मिट्टी में खेला जाता था, लेकिन अब मिट्टी से लेकर अब यह खेल मैट पर खेला जाता है।

ये रहे कार्यक्रम में मौजूद

इस मौके पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल कौशिक, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, भाजपा नेता जयभगवान शर्मा डीडी, जिलाध्यक्ष तिजेन्द्र सिंह गोल्डी, सरस्वती हेरिटेज बोर्ड के वाइस चेयरमैन धूमन सिंह किरमच, मुख्यमंत्री के ओएसडी गजेन्द्र फौगाट, मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी, प्रदेश सचिव राहुल राणा, खो-खो फेडरेशन आफ इंडिया के प्रधान सुधांशु मित्तल, हरियाणा स्पोर्ट्स खो-खो एसोसिएशन के प्रधान जवाहर सिंह यादव, उपनिदेशक सुनीता खत्री, चीफ कोच आफ इंडिया डा. मुन्नी जून, महासचिव उपकार सिंह विर्क, टी. सचिव एमएस त्यागी, महासचिव महेन्द्र काम्बोज, शिक्षा विभाग से वाईएसओ सत्यवीर, खो खो एसोसिएशन के जिला प्रधान राजकुमार सैनी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

खेतों से गुजर रही हाईवोल्टेज तारें किसानों के लिए परेशानी

- घना कोहरा पड़ने और शीतलहर चलने से गन्ने के खेतों में बिजली का करंट आने के भय से गन्ना की नहीं की जा रही छिलाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

रादौर क्षेत्र के गांव माधुबांस के किसानों के गन्ने के खेतों के ऊपर से गुजर रही हाईवोल्टेज बिजली की तारों से किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आलम यह है कि खेतों के ऊपर से गुजर रही तारों से गन्ने की फसल में बिजली का करंट लगने के भय से मजदूर गन्ना छिलाई करने नहीं पहुंच रहे हैं। वहीं, आए दिन चल रही शीतलहर के चलने से दोपहर के वक्त तारों में स्पार्किंग होने से फसल में आग लगने की किसानों को आशंका सताने लगी है। किसानों ने बिजली निगम के उच्चाधिकारियों से उनकी समस्या का समाधान किए जाने की मांग की है।

माधुबांस गांव निवासी किसान एवं पूर्व सेवानिवृत कानूनगो रणबीर सिंह पोसवाल ने बताया कि उनके गन्ने के खेतों के ऊपर से हाईवोल्टेज बिजली की तारें गुजर रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके गन्ने के खेतों के ऊपर बिजली की तारों का जाल सा बिछा हुआ है। बिजली की तारें ढीली होने के कारण उनमें हवा चलने पर स्पार्किंग होती रहती है। वहीं, आजकल खेतों से गन्ना की फसल समेटने की प्रक्रिया चल रही है। मगर आए दिन घना कोहरा पड़ने और शीतलहर चलने से गन्ने की फसल में बिजली की करंट आने की आशंका के भय से मजदूर खेतों में छिलाई करने से डर रहे हैं। उन्होंने इस समस्या का समाधान करने के लिए कई बार संबंधित बिजली निगम के कार्यालय में तैनात अधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका है। मगर उनकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। किसान रणबीर सिंह पोसवाल ने आशंका जताई कि यदि तेज हवा चली और बिजली की तारों में स्पार्किंग हो गई तो उनकी फसल में आग लगने का डर है। जिससे उन्हें लाखों रुपये का नुक्सान होने की संभावना है। वहीं, गन्ने की फसल में बिजली का करंट लगने के भय से आशंकित मजदूर यदि समय रहते गन्ने की छिलाई नहीं करेंगे तो उनकी फसल खेतों में ही खड़ी रहने की आशंका है। जिससे उन्हें भारी नुक्सान उठाना पड़ेगा। उन्होंने जिला प्रशासन और संबंधित बिजली निगम के अधिकारियों से उनके खेतों के ऊपर से गुजर रही बिजली की तारों को हटाए जाने की मांग की है।

यमुनानगर। हाईवोल्टेज बिजली की तारों को दिखाता हुआ किसान।

दुबई में चल रहे गल्फ फूडस मेले में भारत के चावल की भारी मांग: विजय

- गल्फ फूड मेले मे तरावड़ी के स्टालों पर विदेशी व्यापारियों का लगा तांता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

दुबई में चल रहे गल्फ फूडस मेले में तरावड़ी शहर के चावल एक्सपोर्टरों के लगे स्टालों पर विभिन्न देशों से आए व्यापारी चावलों की किस्मों की जानकारी लेते नजर आए। तरावड़ी के गैलेक्सी इंटरनेशनल प्रा लि के एमडी विजय गोयल ने कहा कि दुबई में चल रहे गल्फ फूडस मेले में भारत के चावल की भारी मांग है। उन्होंने बताया कि वह भी दुबई में भारत से अपना स्टाल लगाने के लिए यहां पहुंचे है। उन्होंने कहा कि भारत के सभी फूड्स उत्पादन लोग पसंद करते हैं। क्योंकि इनकी गुणवत्ता बेमिसाल है। उन्होंने कहा कि तरावड़ी शहर के कई चावल व्यापारियों ने वहां पर अपने-अपने चावलों के मार्के के स्टाल लगा रखे है तथा शहर के चावल व्यापारियों के लगे स्टालों पर विदेशी व्यापारियों का जमघट लगा हुआ हैं। जिनमें गैलेक्सी बासमती चावल, भारत सीरियल, भारत इंडस्ट्रीज, शिव शक्ति इंटरग्लोब, जीवी राइस मिल, जानकी दास राइस मिल, श्रीराम ग्रुप के अलावा जिला के कई चावल व्यापारियों ने दुबई में अपने-अपने चावलों के मार्के के स्टाल लगा रखे है।

हाईकोर्ट ने 94 वर्षीय बुजुर्ग को दी बड़ी राहत

- हत्या का दोष हटाकर गैर इरादतन माना
- पच्चीस वर्ष पुराने मामले में न्यायिक संतुलन का उदाहरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने करनाल से जुड़े लगभग पच्चीस वर्ष पुराने एक आपराधिक मामले में नब्बे से अधिक आयु के बुजुर्ग को बड़ी राहत प्रदान की है।

न्यायालय ने हत्या के अपराध से दोषमुक्त करते हुए मामले को गैर इरादतन हत्या की श्रेणी में माना और सजा को आरोपी द्वारा पहले ही जेल में बिताई गई अवधि तक सीमित कर दिया। न्यायालय ने अपने निर्णय में आरोपी की अत्यधिक वृद्धावस्था, लंबी न्यायिक प्रक्रिया, स्वास्थ्य स्थिति तथा पहले से भुगती गई सजा को महत्वपूर्ण आधार माना।

प्रकरण के अनुसार करनाल निवासी स्वर्ण सिंह को अपनी पुत्री के संबंधों को लेकर आपत्ति थी। दिसंबर दो हजार में इसी विषय को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ, जो हाथापाई में बदल गया। आरोप है कि इसी दौरान स्वर्ण सिंह द्वारा चाकू से वार किए जाने पर युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसकी मृत्यु हो गई। इस मामले में निचली अदालत द्वारा आरोपी को हत्या का दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई गई थी।

अचानक झड़प मामला: हाईकोर्ट ने सजा घटाकर सीमित की

उच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने मामले के समस्त तथ्यों और परिस्थितियों का गहन विश्लेषण किया। न्यायालय ने माना कि घटना अचानक हुई झड़प के दौरान घटित हुई तथा अभियोजन पक्ष हत्या का पूर्वनियोजित इरादा सिद्ध करने में असफल रहा। राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत हिरासत प्रमाण पत्र के अनुसार आरोपी छह वर्ष से अधिक समय तक कारावास भुगत चुका है। इसे ध्यान में रखते हुए न्यायालय ने निचली अदालत के आदेश में संशोधन करते हुए सजा को उतनी ही अवधि तक सीमित कर दिया, जितनी अवधि आरोपी पहले ही जेल में काट चुका है। हालांकि, जुर्माने की राशि में कोई परिवर्तन नहीं किया गया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि दंड निर्धारण में अपराध के साथ-साथ मानवीय पहलुओं और आरोपी की वर्तमान स्थिति को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस निर्णय को वृद्ध आरोपियों तथा लंबे समय से लंबित मामलों में न्यायिक संतुलन की महत्वपूर्ण मिसाल माना जा रहा है।

अम्बाला जिले के चारों नगर निकायों में घटी रजिस्टर्ड प्रॉपर्टी की संख्या

- तीन महीनों में हजारों संपत्तियां हुईं कम, सरकारी वेबसाइट के अपडेटेड आंकड़ों से हुआ

अंबाला। हरियाणा सरकार के शहरी स्थानीय निकाय विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर हाल ही में 27 जनवरी 2026 तक अपडेट किए गए आंकड़ों ने अम्बाला जिले में एक चौंकाने वाली स्थिति उजागर की है। जिले के चारों नगर निकायों-अम्बाला नगर निगम, अम्बाला सदर नगर परिषद, बराड़ा नगरपालिका समिति और नारायणगढ़ नगरपालिका समिति में पंजीकृत संपत्तियों (रजिस्टर्ड प्रॉपर्टीज) की संख्या में बीते तीन महीनों के भीतर कमी दर्ज की गई है। वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अम्बाला जिले की एकमात्र नगर निगम अम्बाला की जनसंख्या 2 लाख 56 हजार 337 दर्शाई गई है, जबकि अम्बाला सदर (कैंट) नगर परिषद की जनसंख्या इससे अधिक 2 लाख 68 हजार 976 बताई गई है। क्षेत्रफल की बात करें तो अम्बाला नगर निगम का क्षेत्रफल 67.56 वर्ग किलोमीटर और अम्बाला सदर नगर परिषद का 56.27 वर्ग किलोमीटर दर्ज है। जिले की अन्य दो नगर निकायों में बराड़ा नगरपालिका समिति की जनसंख्या 27 हजार 604 और क्षेत्रफल 13.89 वर्ग किलोमीटर, जबकि नारायणगढ़ नगरपालिका समिति की जनसंख्या 27 हजार 282 और क्षेत्रफल 8.95 वर्ग किलोमीटर दर्शाया गया है।

हाईकोर्ट ने निगम आयुक्त को अवमाना का नोटिस भेजा

- प्रॉपर्टी टैक्स ब्रांच में करोडों के घोटाले की आरोपी कुसुम को वापस नौकरी पर नहीं रखने का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पानीपत नगर निगम आयुक्त पंकज यादव को अदालत की अवमानना का नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। हाईकोर्ट ने नगर निगम की प्रॉपर्टी टैक्स ब्रांच में हुए 4.50 करोड़ रुपए के बड़े फर्जीवाड़े के मामले में बिना विभागीय जांच के बर्खास्त की गई संयुक्त आयुक्त की पीए कुसुम नरवाल की बहाली के आदेशों की अवहेलना करने पर यह नोटिस जारी किया है। स्मरणीय है कि नगर निगम की प्रॉपर्टी टैक्स ब्रांच में गत वर्ष जनवरी के दौरान प्रॉपर्टी टैक्स की प्रविष्टियों में हेराफेरी कर करीब 4.50 करोड़ रुपए का फर्जीवाड़ा सामने आया था।

इस मामले में गत वर्ष मई में विसंगति पकड़े जाने के बाद संयुक्त आयुक्त की पीए कुसुम नरवाल को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था और 19 मई को उन्हें निलंबित कर दिया गया।

वहीं नगर निगम प्रशासन ने गत वर्ष 11 सितंबर में कुसुम नरवाल को उनके व्हाट्सएप पर संक्षिप्त संदेश भेजकर की उनकी नगर निगम से सेवाएं समाप्त करने की जानकारी दी गई। इधर, कुसुम का दवा है कि जिस फर्जीवाडे के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया गया वह गत वर्ष जनवरी में हुआ था, जबकि उन्होंने निगम ने अपना पदभार गत वर्ष 20 फरवरी को संभाला था।

फर्जीवाडे की अवधि के दौरान कुसुम के पास उन बदलावों को करने के लिए आवश्यक प्रशासनिक लॉगिन आईडी तक नहीं थी। कुसुम का आरोप है कि गत वर्ष कुसुम को उनसे जबरन पहले से टाइप किए गए बयान पर हस्ताक्षर करवाए गए। उन्हें बिना किसी विभागीय जांच के और बिना आदेश की प्रति दिए ही उन्हें नौकरी से हटा दिया गया। इधर, हाईकोर्ट ने गत वर्ष 29 अक्टूबर को जारी अपने आदेश में कुसुम नरवाल की बर्खास्तगी के आदेश पर स्टे लगा दिया था और उन्हें तत्काल ड्यूटी पर लेने का निर्देश दिया था।

चूरा पोस्त के साथ नशा तस्कर किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला पुलिस करनाल की सीआईए असंध ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। यह कार्यवाही सीआईए इंचार्ज उप निरीक्षक सुलिंदर सिंह के नेतृत्व में उप निरीक्षक योगेश कुमार की अध्यक्षता में गई।

पुलिस टीम द्वारा एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए आरोपी कुलविंदर सिंह निवासी गांव शहद खेड़ी जिला पटियाला पंजाब को काबू किया गया व आरोपी के कब्जे से 1 किलो 362 ग्राम चुरा पोस्त बरामद किया गया हैं। इस संबंध में अनुसंधान अधिकारी ने जानकारी देते बताया कि आरोपियो के विरुद्ध थाना असंध करनाल में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी से प्राथमिक पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी इस नशे की खेप को मध्य प्रदेश से आगे बचने के लिए खरीद कर लाया था। इस मामले में नशा तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की संलिप्तता को लेकर अग्रिम अनुसंधान जारी है।

नाबालिग लड़कियों से छेड़छाड़ करने वाले दो आरोपियों को किया काबू

- स्कूल से घर जाते समय आरोपियों ने लड़कियों के साथ की थी छेड़छाड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

व्यासपुर थाना क्षेत्र में स्कूल से घर जा रही नाबालिग लड़कियों के साथ छेड़छाड़ करने के मामले में महिला पुलिस टीम ने दो आरोपी युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस में दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार महिला थाना प्रबंधक शीलावंती ने बताया कि एक महिला ने शिकायत दर्ज करवाई कि उसके पास तीन नाबालिग लड़कियां है। जो व्यासपुर सरकारी स्कूल में पढती हैं। इनके साथ उनके गांव की एक और लड़की भी पड़ती है।19 जनवरी को स्कुल की छुट्टी होने पर वह घर आने के लिए ऑटो में बैठ रही थी तो उसी समय तीन लड़के दो बाईक पर वहां खड़े थे।

जब बच्चियां ऑटो में बैठने लगी तो तीनों लड़कों ने ईशारा करते हुये उनके साथ छेड़छाड़ की। जब ऑटो वाला बच्चियां को घर छोड़ने के लिए जा रहा था तो उन्होंने रास्ते में रोककर उनके साथ दोबारा बदतमीजी की और गंदा इशारा करते हुए लड़की का हाथ पकड़ लिया।

जीआरपी की जांच पूरी होने से पहले ही कर दिया कर्मचारी का तबादला

टिकट कांउटर पर नकली नोट देने का मामला ठंडे बस्ते में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर टिकट कांउटर पर नकली नोट मिलने का गंभीर मामला अब सवालों के घेरे में आ गया है। देशद्रोह जैसी धाराओं से जुड़ा यह संवेदनशील मामला जीआरपी की जांच पूरी होने से पहले ही ठंडे बस्ते में जाता दिख रहा है। दो माह बीतने के बावजूद जब पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंची, तो रेलवे प्रशासन ने एकतरफा कार्रवाई करते हुए आरोपी कर्मचारी को मेजर एस-5 चार्जशीट थमा दी और उसका तबादला कर दिया। सूत्रों के अनुसार, रेलवे की ओर से दी गई शिकायत और तथ्यों के बावजूद जीआरपी न तो आरोपी पर शिकंजा कस सकी और न ही नकली नोटों की गहन जांच को आगे बढ़ा सकी। मजबूरन रेलवे को विभागीय स्तर पर कार्रवाई करनी पड़ी। चार्जशीट के तहत 90 दिन के भीतर विभागीय जांच पूरी की जाएगी, जिसमें शिकायतकर्ताओं के बयान, नकली नोट और शिकायत की प्रतियां सबूत के तौर पर शामिल की जाएंगी।

निलंबन खत्म कर आरोपी का किया तबादला

रेलवे ने लगभग दो माह तक निलंबित रहने के बाद और जीआरपी की रिपोर्ट न मिलने पर आरोपी कर्मचारी को बहाल कर दिया गया है। हालांकि इस बार उसे टिकट काउंटर की जगह से हटाकर पॉवर लॉबी में तैनात किया गया है, जहां वह ट्रेनों की उद्घोषणा का कार्य करेगा। बताया जा रहा है कि यह फैसला इसलिए लिया गया ताकि कर्मचारी का सीधा संपर्क यात्रियों से न हो और मामला और न भड़के।

क्या था पूरा मामला

बीते एक दिसंबर की रात करीब 9 से 10 बजे अंबाला कैंट स्टेशन के यूटीएस काउंटर पर कुछ प्रवासी श्रमिक जनरल टिकट लेने पहुंचे थे। उन्होंने 500 रुपये का नोट दिया, जिसे काउंटर पर बैठे कर्मचारी ने नकली बताकर लौटा दिया। इसी तरह तीन अन्य लोगों के नोट भी नकली कहकर वापस कर दिया। पीड़ितों ने पहले उप स्टेशन अधीक्षक (ऑपरेटिंग) से शिकायत की, लेकिन जब कोई समाधान नहीं हुआ, तो इसके बाद मामला वाणिज्य विभाग तक पहुंचा। शिकायत मिलते ही विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचे, जहां आरोपी कर्मचारी संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक को सूचना दी गई, जिसके बाद कर्मचारी को तत्काल टिकट काउंटर से हटा दिया गया। पीड़ितों को असली नोट देकर रवाना किया गया और उनसे लिखित शिकायत ली गई। ऐसे में अब चर्चा यह भी है कि नकली नोट जैसा गंभीर मामला होने के बावजूद न तो जीआरपी ने समय पर ठोस कार्रवाई की और न ही आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाए गए। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या मामला दबाने की कोशिश हुई या फिर जांच में लापरवाही बरती गई।

नहीं आए शिकायतकर्ता

जीआरपी दो बार बयान लेने के लिए बिहार गई थी। इसके अलावा फोन पर भी कई बार बात की गई, लेकिन शिकायतकर्ता नहीं आए। उन्हें अंबाला बुलाने के प्रयास जारी है वो जैसे ही आएंगे तो नियमानुसार मामले में आगामी कार्रवाई जाएगी।
-हरीश कुमार, प्रभारी जीआरपी, अंबाला।

नहीं निकला कोई निष्कर्ष

जीआरपी को रेलवे की तरफ से शिकायत दी गई थी और मामले से जुड़े तथ्य भी पेश किए गए थे। लेकिन दो माह बाद भी जीआरपी की जांच किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची। इसलिए आरोपी कर्मचारी को मेजर एस-5 चार्जशीट दी गई है।
-एनके झा, वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक, अंबाला मंडल।

खबर संक्षेप

मनुष्य कर्मों से बनता है महान : कांबोज

रादौर। स्वामी विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल अलाहर में शनिवार को गुरु रविदास जयंती मनाई गई। इस अवसर पर प्रबंधक सुरेश कांबोज ने बताया कि आज हम सभी संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती मना रहे हैं। वे एक महान समाज सुधारक थे। उन्होंने समाज को संदेश दिया कि मनुष्य अपने जन्म से नहीं, बल्कि अपने कर्मों से महान बनता है। उनका एक प्रसिद्ध कथन हैकृमन चंगा तो कठौती में गंगा। आज के दिन हमें उनके द्वारा बताए गए समानता और प्रेम के मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर बच्चो ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया। सातवीं कक्षा के छात्र पर्व के भजन ने सबका मन मोह लिया।

सांसद नवीन जिंदल ने चट्ठा के निधन पर किया शोक व्यक्त

कुरुक्षेत्र। सांसद नवीन जिन्दल ने पूर्व वित्त मंत्री स्व. हरमोहिंद्र सिंह चट्ठा की धर्मपत्नी एवं विधायक मनदीप चट्ठा की माता श्रीमती निर्मलदीप चट्ठा के निधन पर उनके निवास स्थान पर पहुंचकर शोक व्यक्त किया। सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि परिवार के किसी सदस्य का अचानक चले जाना ऐसी क्षति है, जिसकी भरपाई कभी संभव नहीं हो सकती। दुख की इस घड़ी में जिन्दल परिवार पूरी संवेदना और आत्मीयता के साथ चट्ठा परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पूर्व मंत्री हरमोहिंद्र सिंह चट्ठा के परिवार से उनका और जिन्दल परिवार का संबंध स्वर्गीय ओपी जिन्दल जी के समय से रहा है, जो केवल राजनीतिक नहीं बल्कि पारिवारिक आत्मीयता पर आधारित रहा है।

शांति नगर में कन्या पूजन कर लगाया भंडारा

कुरुक्षेत्र। गांव शांति नगर कुरड़ी चहल पट्टी धर्मशाला में स्थित संत श्रीबालजती सिद्ध बाबा जी की समाधि पर कुरड़ी वाले महाराज श्रीजी द्वारा कन्या पूजन कर भंडारा वितरण किया गया। इस अवसर पर ओंकार महायज्ञ कर श्रीबालजती सिद्ध बाबा जी के नाम से आहुतियां डाली और श्रीश्री 1008 सद्गुरुदेव स्वामी श्रीशक्ति देव जी महाराज कुरडी वाले द्वारा ओंकार महामंत्र के साथ डाली गई। इस अवसर पर कुरड़ी वाले महाराजश्री ने कहा बाबा जी इसी गांव में वास करते थे ओर जीवन यापन करते थे ओर दीन दुखियों की दुविधाओ को दूर करते थे ओर आज भी जो श्रद्धा से नतमस्तक होता है उसकी इच्छा पूरी होती है। इस अवसर पर पं जयनारायण एडवोकेट, अतुल शर्मा, रणवीर जागलान,पं राधे श्याम,कारतिक शर्मा, ऋषि पाल सैनी, मान सिंह, गुरमेल, पूर्व सरपंच ज्ञान सिंह, जरनैल सिंह,वीरु कश्यप, राजबीर, मलकीत सिंह, राजेन्द्र चहल आदि समस्त गांव वासी मौजूद रहे।

विद्यालय में संत गुरु रविदास जयंती मनाई

थानेसर। विद्या भारती हरियाणा के अंतर्गत अमीन मार्ग पर स्थित गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वंदना स्थल पर संत गुरु रविदास जयंती मनाई गई। कुमारी महक ने संत रविदास जी के बारे में कहा उनका जन्म वाराणसी के पास सीर गोवर्धनपुर में हुआ। उन्होंने जाति-प्रथा और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ अनेक लड़ाईयां लड़ी। प्राचार्या ने संत गुरु रविदास के चित्र के समक्ष श्रद्धा सुमन अर्पित कर बच्चों को संबोधित करते हुए उनके विषय में बताया कि व्यक्ति को उसकी जाति से नहीं उसके काम के आधार पर पहचान मिलनी चाहिए। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह कलेर, उपाध्यक्ष डॉ जितेंद्र कुमार, प्रबंधक बलबीर प्रकाश, कोषाध्यक्ष सुरेश सैनी, शिक्षाविद डॉ हरि प्रकाश एवं प्राचार्या सुमन बाला ने रविदास जयंती की शुभकामनाएं दी।

मौसम में ठंडक बढ़ने से तापमान में आई गिरावट

धुंध के बादल छाए रहने से मौसम में बनी ठंडक, वाहनों की रफ्तार हुई धीमी

जिले में बारिश के बाद दो दिन धूप खिलने के बाद आज सुबह लोगों का स्वागत घने कोहरे व शीतलहर ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। घने कोहरे के बीच से धीमी गति से चलते हुए वाहन।

जिले में बारिश के बाद दो दिन धूप खिलने के बाद शनिवार को एक बार फिर घना कोहरा छाए रहने और शीतलहर चलने से मौसम में ठंडक बढ़ गई। आलम यह रहा कि शनिवार को अलसुबह से लेकर दोपहर तक जिले में घना कोहरा छाया रहा और आसमान में धुंध के बादल बने रहे। इसके साथ शीतलहर चलने से मौसम में ठंडक बढ़ने से लोग घरों में दुबकने को मजबूर हो गए और वाहनों की रफ्तार धीमी रही। वाहन चालकों ने लाइटें जलाकर किसी तरह सड़कों पर वाहनों को बहुत धीमी गति से चलाया। मौसम में ठंड बढ़ने से जिले के तापमान में शनिवार को गिरावट दर्ज की गई है। शनिवार को भी लोगों को उम्मीद थी कि अच्छी धूप खिलेगी। मगर ऐसा नहीं हुआ लोग जब नींद से जागे तो उनका घने कोहरे व शीतलहर ने स्वागत किया।

घना कोहरा इतना छाया हुआ था कि सड़कों पर वाहन चालकों को चार फुट से आगे कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। खास बात यह रही कि जो गाड़ियां सड़कों पर तेजगति से सरपट दौड़ती हैं वह धूंध ज्यादा होने के कारण बड़ी धीमी गति से अपने गंतव्य की ओर बढ़ रही थी। दोपहर बाद किसी तरह घना कोहरा कुछ कम हुआ। जिसके बाद लोगों ने घरों से बाहर निकलकर अपने काम धंधे निपटाए। मौसम में हो रहे बदलाव ने लोगों की दैनिक दिनचर्या को अस्त व्यस्त कर दिया है।

तापमान में दर्ज हुई भारी गिरावट

पश्चिम विक्षोभ के चलते मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के कारण तापमान में निरंतर उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। शनिवार को यमुनानगर जिले का न्यूनतम तापमान घटकर अधिकतम 21 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में कमी दर्ज होने के चलते ठंड में बढ़ौतरी देखने को मिली है।

मौसम में बदलाव के चलते बरतें ऐहतियात

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सुभाष गर्ग ने बताया कि बसंत ऋतु का आगमन हो चुका है। ऐसे में कभी धूप तो कभी घना कोहरा पड़ने से मौसम में बदलाव चल रहा है। जिसके कारण बच्चों और बुजुर्ग बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं। इसलिए बच्चों और बुजुर्गों को बदलते मौसम में ऐहतियात बरतने की जरुरत है। खासकर छोटे बच्चों के खान पान में ऐहतियात बरतने व उन्हें उबला हुआ पानी पीने को देने की सलाह दी।

अधिकारी जिले को सड़क दुर्घटना रहित बनाने की दिशा में उठाएं ठोस कदमः गोयल

- जिला सचिवालय में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का हुआ आयोजन
- पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने की बैठक की अध्यक्षता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। बैठक की अध्यक्षता करते हुए एसपी कमलदीप गोयल।

जिला प्रशासन द्वारा लघु सचिवालय में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने की। मौके पर विशिष्ठ अतिथि के रुप में नगर निगम के निगमायुक्त महाबीर प्रसाद मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों को जिला को सड़क दुर्घटना रहित बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला यातायात एवं सड़क सुरक्षा समिति द्वारा दिए गए सुझाव पर अधिकारी शीघ्रता से संज्ञान लें। पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने कहा कि हमें सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की सहायता अवश्य करनी चाहिए। पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने यातायात प्रबंधक को निर्देश दिए कि यदि कोई वाहन चालक यातायात के नियमों का पालन नहीं करेगा तो उसका ई चालान कर वाहन को जब्त कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें। यदि कोई वाहन चालक वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग करेगा उसके वाहन का भी ई.चालान कर दिया जाएगा। एसपी कमलदीप गोयल ने कहा कि सभी वाहन चालक अपने.अपने वाहनों पर लगी प्लेट पर वाहन नम्बर अवश्य लिखवा कर रखें। बिना नम्बर प्लेट होने पर वाहन का चालान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने से जहां एक व्यक्ति की जान जाती है। वहीं उसके परिवार को भी जीवन भर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए दुर्घटना सम्भावित स्थानों को चिन्हित कर उनकों ठीक करें। इस अवसर पर जिला परिवहन अधिकारी हैरतजीत कौर, एसडीएम रादौर नरेन्द्र कुमार, नगराधीश पीयूष गुप्ता, एडीटीओ गुरप्रीत सिंह संधू, अधिवक्ता सुशील कुमार व सुमित आदि मौजूद थे।

वाहन चलाते समय बरतें सावधानियां

पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने सभी वाहन चालकों का आह्वान किया कि वह वाहन चलाते समय विशेष सावधानियां बरतें और वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें। उन्होंने जिला के सभी स्कूल प्रबंधन, प्रिंसिपल व अभिभावकों को नाबालिक बालकों से वाहन नहीं चलाने के लिए आहवान किया। उन्होंने कहा कि बच्चें माता पिता से बिना पूछे वाहनों को सड़क पर निकाल लाते है। जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। इस मौके पर निगमायुक्त महाबीर प्रसाद ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी (एनएचएआई), लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), पंचायत विभाग, मार्किटिंग बोर्ड व नगर निगम के सभी अधिकारियों को धुंध के समय सड़क सुरक्षा को लेकर जिले की सभी सड़कों पर सफेद पट्टी मार्किंग लगाने के दिशा निर्देश दिए हैं।

युवक पर रॉड व गंडासी से वार कर किया घायल

- पुलिस ने आधा दर्जन आरोपियों के खिलाफ किया केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

रंजिश के चलते आधा दर्जन युवकों ने जगाधरी वर्कशॉप के रामनगर निवासी चेतन पासी के ऊपर रॉड व गंडासी से हमला कर घायल कर दिया। इस दौरान आरोपियों ने पिस्तौल से गोली मारने का भी प्रयास किया। घायल चेतन पासी का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आधा दर्जन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार जगाधरी वर्कशॉप की रामनगर कॉलोनी निवासी चेतन पासी ने फरकपुर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसका कुछ दिन पहले विष्णु नगर निवासी जतिन व विवेक के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। उस समय अन्य लोगों ने समझा कर मामला शांत करवा दिया मगर इसके बाद से आरोपी उससे रंजिश रखने लगे। चेतन ने बताया कि 30 जनवरी को शाम पांच बजे वह कॉलोनी में ही किसी काम से जा रहा था। इस दौरान आरोपी जतिन व विवेक ने अपने साथियों जोगिंदर नगर निवासी प्रिंस सरदार, विजय तथा रामनगर निवासी गिरिराज व आर्यन के साथ मिलकर उस पर रॉड व गंडासी से हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दौरान आरोपियों ने उसे गोली मारने का भी प्रयास किया। शोर सुनकर जब आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए।

छात्रों को डेटा एक्विजिशन पर दिया प्रशिक्षण

- जेएमआईईटीआई कॉलेज में एप्लाइड एआई एंड मशीन लर्निंग विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

रादौर। जेएमआईईटीआई कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

जेएमआईईटीआई इंजीनियरिंग कॉलेज के कंप्यूटर साइंस विभाग की ओर से एप्लाइड एआई एंड मशीन लर्निंग विषय पर 5 दिवसीय कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ। कार्यशाला कार्डराइड हब प्राइवेट लिमिटेड अम्बाला के तकनीकी सहयोग से संपन्न हुई। कार्यक्रम को सफल बनाने में मिस संगीता व मिस प्रतिभा का विशेष योगदान रहा। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग के नवीनतम, व्यावहारिक एवं उद्योग-उन्मुख अनुप्रयोगों से परिचित कराना था। इस दौरान विद्यार्थियों को प्रॉब्लम स्कोपिंग, डेटा एक्विजिशन, डेटा एक्सप्लोरेशन क्लीनिंग, मॉडल डेवलप्मेंट मॉडल इवेल्यूएशन ऑप्टिमाइजेशन व कैप्सटोन प्रेजेंटेशन जैसी महत्वपूर्ण मॉड्यूल्स पर गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला के अंतर्गत मशीन लर्निंग के व्यावहारिक प्रयोग हेतु पायथन, पॉवर बी आई एवं टैबलेटस जैसे आधुनिक टूल्स पर हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग कराई गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 35 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। संस्थान के निदेशक डॉ. विवेक शर्मा ने कहा कि वर्तमान युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व मशीन लर्निंग जैसी उभरती तकनीकें छात्रों के करियर को नई दिशा प्रदान कर रही हैं। इस प्रकार की उद्योग आधारित कार्यशालाएं विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक दक्षता भी प्रदान करती हैं। संस्थान का निरंतर प्रयास है कि विद्यार्थी नवीनतम तकनीकों में दक्ष होकर आत्मनिर्भर एवं रोजगारोन्मुख बनें।

पैक्स में सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए दस निदेशक

- नवनिर्वाचित निदेशकों का फूलमालाएं पहनाकर किया जोरदार स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

पैक्स केंद्र रादौर के दस निदेशक पदों पर सर्वसम्मति से चुनाव हो गया। निदेशक पदों के लिए 7 फरवरी को मतदान होना था। इस दौरान दस निदेशक पदों के लिए 29 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन किए थे। मगर नामांकन वापसी के दिन 19 प्रत्याशियों ने अपने नामांकन वापस ले लिए। जिसके बाद शेष बचे दस के दस उम्मीदवारों को सर्वसम्मति से निदेशक घोषित दिया गया।

नवनिर्वाचित निदेशकों में सात कृषक व तीन गैर कृषक चुने गए हैं। जिनमें पैक्स केंद्र के पूर्व प्रधान रहे एडवोकेट सुरेशपाल बंचल, पूर्व प्रधान बलिंद्र सिंह पुनिया, नगरपालिका रादौर की पार्षद बबली सैनी, जगमाल सिंह रादौर, मदनलाल नंबरदार रतनगढ़, श्याम लाल सैनी रादौर, जसवंत सिंह रादौर, दिलबाग सिंह भगवानगढ़, ऋषिपाल राणा भगवानगढ़, अंजना देवी शामिल हैं। निदेशको को उनके समर्थकों ने फूलमालाएं पहनाकर सम्मानित किया।सचिव अजय गुलाटी ने बताया कि पैक्स क चुनाव के लिए विभाग की ओर से एआर सहकारी समिति यमुनानगर गगनदीप सिंह को पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया गया था।

प्रभात फेरी निकालकर किया गुरु रविदास की महिमा का गुणगान

- जिले में विभिन्न स्थानों पर गुरु रविदास की जयंती के उपलक्ष में श्रद्धालुओं ने प्रभात फेरी का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। गांव खेड़ी में प्रभातफेरी निकालते हुए श्रद्धालु।

संत गुरु रविदास जयंती के उपलक्ष में जिले में शनिवार को कई स्थानों पर प्रभात फेरी निकालकर श्रद्धालुओं ने गुरु रविदास जी की महिमा का गुणगान किया। मौके पर प्रसाद वितरित किया गया।

शनिवार तड़के बिलासपुर, गांव नाचरौन, खेड़ी, माजरा, अराईयांवाला, ताजेवाला, खिजराबाद, कोट, खदरी, खिजरी, चुहड़पुर व छछरौली समेत जिले के कई स्थानों पर प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में श्रद्धालुओं ने भजनों के माध्यम से गुरु रविदास की महिमा का गुणगान किया। प्रभात फेरियां गांव के गुरु रविदास मंदिरों से शुरु होकर विभिन्न गलियों से होती हुई अंत में मंदिर परिसरों में जाकर संपन्न हुई। इस दौरान श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। रविदास मंदिर कमेटी खेड़ी के प्रधान राजबीर ने बताया कि प्रभातफेरी में गुरू रविदास जी के जयकारों के साथ साथ उनकी वाणी का भी गुणगान किया जा रहा है। प्रभातफेरियों में श्रद्धालु नंगे पांव चलकर पूरे गांव में घूमते हैं। उन्होंने बताया कि गुरू रविदास जयंती पांच फरवरी को मनाई जाएगी। मौके पर राजेश, कमला, प्रीतम चंद, प्रदीप, राजेंद्र, विक्रम सिंह, निर्मल सिंह, जीत सिंह, रामशरण, कृष्णा, संतोष देवी, सुनीता देवी, भागवंती व देबो देवी आदि ने भाग लिया।

रादौर। जेएमआईटी कॉलेज में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी।

मनोरंजन ट्रैक समग्र शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण : गर्ग

रादौर। जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज की ओर से शनिवार को मनोरंजक ट्रैक व फील्ड प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनका उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों के बीच शारीरिक फिटनेस व सौहार्द को बढ़ावा देना था। इन आयोजनों में मानक एथलेटिक प्रतियोगिताओं और मनोरंजक, अनौपचारिक दौड़ का मिश्रण शामिल था। जिसमें अनौपचारिक दौड़, आधे पैर की दौड़, कूद दौड़, रस्सा कशी, जो लड़कियों व लड़कों दोनों के लिए थीं। संस्थान के निदेशक डा. एसके गर्ग ने कहा कि मनोरंजक ट्रैक और फील्ड प्रतियोगिताएं समग्र शिक्षा के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। ऐसी प्रतियोगिताएं इंजीनियरिंग छात्रों में शारीरिक फिटनेस, मानसिक दृढ़ता, अनुशासन और टीम वर्क के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। इस अवसर पर खेल अधिकारी डॉ उमेश पाल सिंह, खेल प्रभारी डा. गुलशन, महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. पूजा शर्मा, डा. विकास भारद्वाज, कृष्ण आदि उपस्थित रहे।

रविदास ने जातिगत भेदभाव के खिलाफ उठाई आवाजः कौर

रादौर। कस्बा रादौर के मून स्टार प्री स्कूल में शनिवार को गुरु रविदास जयंती श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में विद्यालय की मुख्य अध्यापिका रसमीन कौर मुख्य रूप से मौजूद रही। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ गुरु रविदास जी को नमन किया व उनके द्वारा रचित आरती का गुणगान भी किया। मुख्य अध्यापिका ने विद्यार्थियों को बताया कि गुरु रविदास जी एक महान संत, समाज सुधारक व भक्ति आंदोलन के प्रमुख संतों में से एक थे। उन्होंने जाति-पाति, भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई। सभी इंसानों को बराबर बताया। वह कहते थे कि भगवान तक पहुंचने का रास्ता प्रेम, भक्ति, समानता और सच्चाई है। गुरु रविदास जी की कई रचनाएं श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी में भी शामिल हैं। विद्यालय की को ऑर्डिनेटर रितु देवी ने भी बच्चों को गुरु रविदास जयंती की बधाई दी। इस अवसर पर नीतू, सिमरन, अनु, उमा, नेहा, सोनिया, शिवानी, मीनू, सचिन, कृष्ण आदि मौजूद रहे।

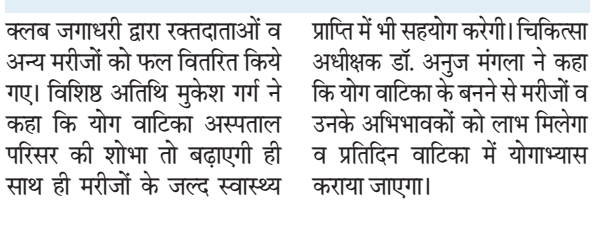

रादौर। मून स्टार प्री स्कूल में कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे व स्टाफ सदस्य।

सत्र में विद्यार्थियों को टीम भावना पर किया जागरूक

- वाणिज्य विभाग की ओर से टीम बिल्डिंग व समन्वय विषय पर सत्र का आयोजन

रादौर। मुकंदलाल कॉलेज में शनिवार को बीकॉम व बीए अंतिम वर्ष के छात्र छात्राओं के लिए वाणिज्य विभाग की ओर से टीम बिल्डिंग एवं समन्वय विषय पर एक सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का संचालन प्रो. अंजुम अग्रवाल सहायक प्राध्यापक, जेएमआईटीए रादौर द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों में टीम भावना, नेतृत्व क्षमता, संचार कौशल को विकसित करना था। सत्र में विभिन्न गतिविधियों, व्यावहारिक उदाहरणों प्रबंधकीय गेम्स से प्रो. अंजुम अग्रवाल ने सहयोग, नेतृत्व व कार्य संस्कृति के महत्व पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डा. माला शर्मा ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि टीम में काम करने की क्षमता भी अत्यंत आवश्यक है।

स्वयंसेवी संस्थाओं से होता है समाज का विकासः घनश्याम

योग वाटिका से मरीज व अभिभावकों को मिलेगा लाभः अरोड़ा

विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने नागरिक अस्पताल में योग वाटिका का किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। योग वाटिका का रिबन काटते हुए विधायक घनश्याम दास अरोड़ा।

नागरिक अस्पताल जगाधरी में सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने लाखों रुपये की लागत से बनी योग वाटिका का रिबन काटकर उद्घाटन किया। मौके पर स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रुप में लीगल अथारिटी एवं एचईआरसी हरियाणा के सदस्य मुकेश गर्ग मौजूद रहे। इस दौरान योगाचार्य मोहन व योगी जय कुमार द्वारा उपस्थित सभी को योग वाटिका में योगाभ्यास भी कराया गया। इस अवसर पर ईनर व्हील क्लब जगाधरी द्वारा रक्तदाताओं व अन्य मरीजों को फल वितरित किये गए। विशिष्ठ अतिथि मुकेश गर्ग ने कहा कि योग वाटिका अस्पताल परिसर की शोभा तो बढ़ाएगी ही साथ ही मरीजों के जल्द स्वास्थ्य प्राप्ति में भी सहयोग करेगी। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनुज मंगला ने कहा कि योग वाटिका के बनने से मरीजों व उनके अभिभावकों को लाभ मिलेगा व प्रतिदिन वाटिका में योगाभ्यास कराया जाएगा।

प्रतिदिन योग से शरीर रहता है निरोग

मुख्यातिथि एवं सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि योग व्यक्ति को निरोगी जीवन प्रदान करता है। प्रतिदिन योगाभ्यास से विभिन्न रोगों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन योग करने से हमारा शरीर निरोग रहता है। विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि अस्पताल में योग वाटिका का शुभारंभ होने से मरीजों व उनके अभिभावकों के साथ साथ कर्मचारियों को भी लाभ मिलेगा। मौके पर उन्होंने अस्पताल में आयोजित रक्तदान शिविर आयोजित करने के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से समाज का विकास जल्द होता है। इसलिए अन्य सभी को भी समाज कल्याण में अपना योगदान करना चाहिए।

बजट से व्यापारी, उद्यमियों के साथ मध्यम वर्गीय परिवार को बहुत उम्मीदें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

एक फरवरी को पेश किए जाने वाले बजट को लेकर किसानों, व्यापारी, उद्यमियों के साथ मध्यम वर्गीय परिवार को बहुत उम्मीदें हैं। उद्यमियों को उम्मीद है कि जीएसटी दर और आयकर दर को घटाया जाएगा। निर्यात में भी सरकार सब्सिडी बढ़ाएगी। इसके साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिए अलग से राशि उपलब्ध कराई जाए। केंद्रीय बजट को लेकर किसानों और आम नागरिकों में कई अपेक्षाएं और उम्मीदें हैं। जिले के किसानों का कहना है कि बढ़ती लागत और अस्थिर बाजार व्यवस्था के कारण खेती लगातार महंगी होती जा रही है, ऐसे में बजट से ठोस और व्यावहारिक कदमों की अपेक्षा है। किसानों का मानना है कि खाद, बीज और कीटनाशकों की कीमतों पर नियंत्रण के साथ-साथ सिंचाई संसाधनों के विस्तार के लिए विशेष प्रावधान किए जाने चाहिए। समर्थन मूल्य को लाभकारी बनाते हुए उसकी समय पर खरीदी सुनिश्चित करने की मांग भी प्रमुख रूप से सामने आ रही है।

बजट में टैक्स फ्री आय बढ़ाए सरकार : सिंगला

व्यापारी राजेश सिंगला ने व्यापारियों के लिए बजट में विशेष इंतजाम किए जाने की जरूरत है।

व्यापारियों को जितनी राहत मिलेगी। उतना ही देश आर्थिक रूप से मजबूत होगा। बजट में रोजगार सृजन, स्वरोजगार को बढ़ावा देने और छोटे व्यापारियों के लिए आसान ऋण व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। बजट से टैक्स फ्री की आय को बढ़ाए जाने की उम्मीद है। होम लोन में उम्मीद है कि ब्याज दर को घटाया जाएगा।

आम आदमी और उसकी जरूरतों का ध्यान रखा जाना चाहिए : नरेश सैनी

सेवानिवृत मुख्य तकनीकी अधिकारी नरेश सैनी का कहना है कि बजट में आम आदमी और उसकी जरूरतों का ध्यान रखा जाना चाहिए। सभी देशवासियों को सस्ती दरों पर सरकारी चिकित्सा की उचित व्यवस्था हो। आयकर छूट की सीमा बढ़े तथा पेंशनर्स को आयकर रिटर्न भरने से छूट मिले।

आयकर में मिले राहत : गुलशन ग्रोवर

समाजसेवी गुलशन ग्रोवर का कहना है कि नौकरीपेशा लोगों को आयकर में राहत मिलनी चाहिए। खाद्य तेल जैसी आवश्यक वस्तुओं और पेट्रोलियम पदार्थों के आयात शुल्क पर भी फैसला लिया जाए। उम्मीद है कि सरकार आम लोगों को कुछ राहत देगी।

सस्ती हों घरेलू जरूरत की चीजें : रजवंत कौर

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय नॉन टीचिंग क्लब की प्रधान रजवंत कौर ने कहा कि किराना, सब्जी सहित घरेलू जरूरत के अन्य सामान सस्ते हों। सामाजिक कार्यकर्ता रजवंत कौर का कहना है कि दालें, चावल, गेहूं, आटा, तेल, और अन्य बुनियादी सामग्री की कीमतों पर नियंत्रण जरूरी है। निम्न आय वर्ग के परिवारों का ध्यान रखना चाहिए।

युवा रोजगार का हो प्रावधान : अरोड़ा

व्यवसायी जितेंद्र अरोड़ा का कहना है कि बजट में युवाओं को रोजगार मुहैया कराने के लिए प्रावधान होने चाहिए। जो युवा इधर-उधर भटक रहे हैं, उन्हें रोजगार का अवसर मिलना चाहिए, जिससे वह आर्थिक तंगी से निजात पा सकें। घरेलू उपयोग की आवश्यक वस्तुओं, ईंधन और रसोई गैस की कीमतों में राहत मिलने की अपेक्षा जताई जा रही है। आयकर में छूट की सीमा बढ़ाई जाए, जिससे बढ़ते खर्चों के बीच कुछ राहत मिल सके।

पुरानी पेंशन बहाली की उम्मीद : ओमप्रकाश

सर्व कर्मचारी संघ के जिला चेयरमैन ओमप्रकाश का कहना है कि कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन बड़ा मुद्दा है। हमें उम्मीद है कि सरकार इस बार हमारी मांग पूरी करेगी। कर्मचारियों के भविष्य से आर्थिक असुरक्षा को खत्म करेगी। टैक्स में भी राहत मिलनी चाहिए।

सरकारी अस्पतालों को करें विकसित : सैनी

समाजसेवी रामेश्वर सैनी ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक गुड्स और इलेक्ट्रिक वाहन सस्ते होने चाहिए। सरकारी अस्पतालों को विकसित किया जाना चाहिए। शिक्षा लोन सस्ते हों। पेंशनर्स को इनकम टैक्स से मुक्त किया जाना चाहिए। रिटायर्ड लोगों को खरीदारी के लिए सुविधा दी जानी चाहिए।

खबर संक्षेप

केयू में पांच दिवसीय कार्यशाला 2 से 6 तक

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में केयू पर्यावरण अध्ययन संस्थान द्वारा पर्यावरण एवं सतत विकास पर उद्योग-संलग्न कौशल-आधारित कार्यशाला का आयोजन 2 से 6 फरवरी 2026 तक किया जा रहा है।

आदेश अस्पताल में कैंसर जांच सप्ताह 2 से

पिहोवा। महिलाओं के स्वास्थ्य को समर्पित एक महत्वपूर्ण पहल के तहत मोहड़ी स्थित आदेश मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में 2 फरवरी से 7 फरवरी 2026 तक कैंसर जांच सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम अस्पताल के स्त्री एवं प्रसुति रोग विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है।

रजनी बत्रा ने मरणो उपरांत किए नेत्रदान

कुरुक्षेत्र। अपने लिए तो सभी जीते हैं दूसरों के लिए मरने के बाद भी काम आना, अपने संसार में आने को भी सार्थक करता है और जाने को भी सार्थक करता है। स्वर्गीय रजनी बत्रा धर्मपत्नी हुकुमचंद बत्रा रिटायर्ड डीएसपी हरियाणा पुलिस के दोनों नेत्रों का दान अर्पणा आई बैंक करनाल को किया गया। अर्पणा आई बैंक से श्रीमती अनु मदान एवं जितेंद्र कुमार यादव द्वारा नेत्रों का दान लिया गया।

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों पर छात्राओं की स्वच्छता पर फोकस

440 स्कूलों में लगी सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनें, 15 अब भी लाभ से वंचित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

सुप्रीम कोर्ट ने सभी स्कूलों में छात्राओं को मुफ्त सैनिटरी पैड दिए जाने के निर्देश दिए है। जिला के अधिकांश गर्ल्ज हाई स्कूलों में सेनेटरी वेंडिंग मशीनें लगी हुई है। जिले के बालिका शिक्षण संस्थानों में छात्राओं की स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2022 व 2023 में जिला के स्कूलों में सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें लगवाई गई थीं। इन मशीनों का उद्देश्य यह था कि लड़कियों को स्कूल में आसानी से सेनेटरी नैपकिन मिल सके और उन्हें असुविधा का सामना न करना पड़े। जिले के 440 राजकीय स्कूलों में यह मशीन लगी हुई है लेकिन लगभग 15 स्कूलों में यह मशीन खराब पड़ी है। जिससे इसका लाभ छात्राओं को नहीं मिल पा रहा है। इन स्कूलों में ये मशीनें या तो खराब हैं या उनमें नैपकिन डालने के लिए आवश्यक सामग्री व कमी है, जिससे उनका कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिला के लगभग 440 स्कूलों में सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें लगाई गई है। इनमें 300 मिडल स्कूल व 140 सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मशीने लगाई गई है। वही जिला परिषद व सामाजिक संगठनों द्वारा भी स्कूलों में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें लगवाई गई है। गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय

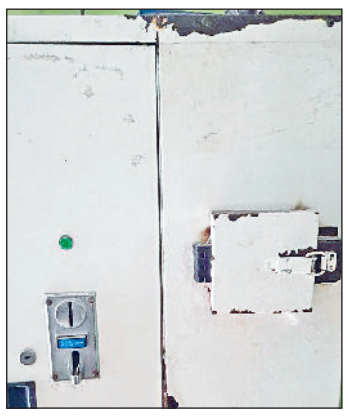

कुरुक्षेत्र। गांव धूलगढ़ गुलडेहरा के राजकीय स्कूल में लगी सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन।

की प्राचार्य सुमन ने बताया कि उनके विद्यालय में बैंक द्वारा सेनेटरी नैपकिन वेडिंग मशीन लगवाई गई थी जोकि पांच रुपये का सिक्का डालने पर काम करती थी लेकिन अभी उसमें कुछ तकनीकी खराबी आ गई है जिससें ठीक करवा दिया जाएगा। वहीं इस्माईलाबाद के राजकीय स्कूल के प्रिंसीपल भीम सेन ने बताया कि स्कूल में सेनेटरी पैड मशीन सही ढंग से कार्य कर रही है और छात्राएं नियमित रूप से उसका उपयोग कर रही हैं। मशीन में पैड खत्म होने पर विभाग द्वारा उपलब्ध करवाया जा रहा है।

आवश्यकतानुसार उपलब्ध करवाए जा रहे पैड : इंदू कौशिक

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी इंदू कौशिक ने बताया कि शिक्षा विभाग की ओर से आवश्यकतानुसार स्कूलों को सेनेटरी पैड उपलब्ध करवाए जा रहे है। स्कूल संचालक जैसे ही इंफोर्म करता है तो उन्हें सेनेटरी पैड उपलब्ध करवा दिए जाते है। यदि किसी स्कूल में सेनेटरी पैड मशीन खराब होती है तो स्कूल संचालक या तो उन्हें इंफोर्म करे या अपने स्तर पर ठीक करवा सकता है। इडब्ल्यूएफ फंड होता है उसमें से ठीक करवा सकते है।

क्या है सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन

सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें एक तरह की स्वचालित मशीनें होती हैं, जिनमें सक्का डालने पर या बिना शुल्क के बटन दबाने पर एक नैपकिन बाहर आता है। इस वेंडिंग मशीन में सिक्का डाल कर नैपकिन प्राप्त कर सकती है, जिससे उन्हें परेशानी नहीं होगी। इसके अलावा, इन मशीनों से सेनेटरी स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है, जोकि खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों की लड़कियों के लिए बहुत जरूरी है। कई बार झिझक के कारण लड़कियां स्कूल आना छोड़ देती हैं, लेकिन ऐसी सुविधाएं उन्हें खुलकर जीने और पढ़ने का अवसर देती हैं।

300 मिडल व 140 सीनियर सेकेंडरी स्कूल में लगी मशीनें

समग्र शिक्षा विभाग की एसीस्टेंट प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर कृष्णा कुमारी ने बताया कि स्कूलों में दो बार सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें लगी है। एक वर्ष 2021-22 व दूसरी बार वर्ष 2022-23 में लगी है। हाई स्कूलों में इंसीलेटर व वैंडिंग मशीनें लगी है। जिला में लगभग 300 मिडल व 140 सीनियर सेकेंडरी स्कूल है इन सभी में सेनेटरी पैड मशीन लगी हुई है। कुछ मिडल स्कूलों में जिला परिषद द्वारा सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें लगवाई गई है। ये मशीने दो साल की वारंटी में है जिन्हें इंजीनियर आकर ठीक करके भी गए है। वारंटी खत्म होने के बाद यदि मशीन में कोई दिक्कत आती है तो वह स्कूल फंड से ठीक करवा दी जाती है।

आश्रम में साधकों को करवाया ध्यान योग

कुरुक्षेत्र। जब समर्थगुरु सिद्धार्थ औलिया और कालिदास बाबा जैसे महान सन्त मिलते है तो विश्व में शांति और चेतना का विस्तार होता है। दो महान विभूतियों का मिलन केवल एक मुलाकात नहीं, बल्कि ज्ञान और प्रेम की एक नई धारा है। श्री दुर्गा देवी मंदिर पिपली, कुरुक्षेत्र के पीठाधीश और समर्थगुरु धारा हिमाचल के जोनल कोऑर्डिनेटर आचार्य डॉ. सुरेश मिश्रा ने बताया कि सिद्ध पीठ श्री शिव शक्ति बाबा कालीदास धाम सांपला, रोहतक आश्रम के संस्थापक सिद्ध योगी अंतरराष्ट्रीय संत यज्ञ सम्राट महामंडलेश्वर स्वामी श्री कालीदास जी महाराज है। तपस्वी संत श्रीश्री 1008 बाबा कालिदास कृष्णानंद परमहंस महाराज ने बताया कि उन्होंने 1984 में अन्न जल का त्याग कर दिया था। उन्हें लगा कि नारियल का जो फल है वो शिव रूप में है। बाहर जटा, अंदर कठोर उसके अंदर फल और उसके अंदर जल होता है। नारियल पानी में सभी तत्व विटामिंस मिल जाते है। इसलिए वो आज तक नारियल पानी पीकर जीवन जीते आ रहे है। वो कई साल तक लता, पत्ता, फल फूल खाकर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सोचा कि धरती की सबसे पवित्र चीज क्या होगी ? उसे खाकर क्यों न जिंदा रहा जाए।

रोजगार लेने नहीं देने वाला बनें: सचदेवा

कुरुक्षेत्र। छात्रों को जीवन में आगे बढ़ना है तो उन्हें रोजगार लेने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बनना चाहिए। इसके लिए प्रत्येक छात्र को अपने कौशल को पहचान कर उससे निखार लाना चाहिए। ज्ञान, कौशल व दृष्टिकोण के माध्यम से जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है। यह विचार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो सोमनाथ सचदेवा ने शनिवार को यूनिवर्सिटी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल में 12वीं व 10वीं कक्षा के छात्रों के लिए आयोजित आशीर्वाद समारोह में मुख्यातिथि के तौर पर व्यक्त किए। इससे पहले छात्रों को आशीर्वाद देने के लिए आयोजित हवन में कुलगुरु प्रो सोमनाथ सचदेवा सहित शिक्षकों ने पूर्ण आहुति डाली। उन्होंने कहा कि केयू देश का पहला विश्वविद्यालय है जिसने सबसे पहले नई शिक्षा नीति को लागू किया। उन्होंने पूर्व छात्र महीप प्रशांत की याद में आरम्भ किए के महीप प्रशांत अवार्ड से कक्षा दसवीं में सबसे ज्यादा अंक लेने वाले छात्र अमन को सम्मानित किया। स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. सुखविंद्र सिंह ने वर्षभर की गतिविधियां रिपोर्ट के माध्यम से प्रस्तुत की। इस मौके पर स्कूल की वाइस चेयरमैन प्रो सुनीता दलाल, भारत सरकार में टैक्स स्टाइल आयुक्त रूप राशि, डॉ. दीप शिखा, प्रणय दीप श्रीवास्तव, प्रो ब्रजेश साहनी, प्रो. रश्मि साहनी, प्रो शुचिस्मिता, सौरभ चौधरी, प्रो. अनिल मित्तल, प्रो. संजीव अरोड़ा, प्रो. रीटा, प्रवीण शर्मा, रमन शर्मा आदि मौजूद रहे।

भाजपा जिला परिषद चेयरपर्सन कंवलजीत कौर ने किए दर्शन

सिद्ध पीठ मां बगलामुखी के प्रकट दिवस में उमड़ी आस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

अरूणाये रोड पर गांव धनीरामपुरा स्थित सिद्ध पीठ मां बगलामुखी मंदिर में आयोजित पांच दिवसीय मां बगलामुखी प्रकट दिवस श्रद्धा, भक्ति और आस्था के साथ भव्य रूप से मनाया जा रहा है। इस पावन अवसर पर जिला परिषद चेयरपर्सन कंवलजीत कौर ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की।कंवलजीत कौर ने सिद्ध पीठ में विराजमान माँ बगलामुखी व संत समाज का विधिवत दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और प्रदेश व क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में उनके आगमन से भक्तिमय वातावरण और अधिक सशक्त हो गया। इस अवसर पर जिला परिषद चेयरपर्सन कंवलजीत कौर ने कहा कि माँ बगलामुखी की कृपा से जीवन के समस्त विघ्न दूर होते हैं। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा, शांति और आध्यात्मिक चेतना का संचार करते हैं। पांच दिवसीय इस धार्मिक आयोजन में वैदिक परंपराओं के अनुसार अनुष्ठान संपन्न कराए जा रहे हैं, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर मां बगलामुखी की आराधना कर रहे हैं। हिंदू धर्म में यज्ञ का स्थान सर्वोपरि है। यज्ञ एक विशेष धार्मिक प्रक्रिया है जिसके जरिए मनुष्य न केवल भौतिक सुख बल्कि आध्यात्मिक संपदा भी प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि मां बगलामुखी की उपासना मनुष्य जीवन के समस्त विघ्नों का समाधान करने में सक्षम है।

पिहोवा। सिद्ध पीठ मां बगलामुखी मंदिर में मौजूद जिला परिषद चेयरपर्सन कंवलजीत कौर।

पिहोवा। मां बगलामुखी धाम में महंत भीम पुरी से आशीर्वाद लेते सांसद नवीन जिंदल व अन्य गणमान्यजन।

राष्ट्र को चरित्रवान और संस्कारी बनाने में संत समाज की अहम भूमिका : जिंदल

पिहोवा। भारत साधु समाज के प्रदेशाध्यक्ष श्रीमहंत बंसी पुरी, महंत भीम पुरी के सान्निध्य में गांव धनीरामपुरा स्थित मां बगलामुखी मंदिर में चल रहे पंच दिवसीय मां बगलामुखी प्रकटोत्सव महायज्ञ के चौथे दिन विशेष रूप से कुरुक्षेत्र सांसद नवीन जिंदल मां बगलामुखी धाम पहुंचे, जहां पर सरपंच विकल चौबे सहित अनेक ग्रामीणों व गणमान्य लोगों ने उनका स्वागत किया। सांसद नवीन जिंदल ने मां बगलामुखी की पूजा अर्चना,यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर महायज्ञ में आहुति डाली। तत्पश्चात महंत भीम पुरी ने माल्यार्पण कर सांसद नवीन जिंदल को प्रसाद भेंट कर आशीर्वाद प्रदान किया। समारोह में स्वामी महेश पुरी, स्वामी शिवदयाल पुरी, महंत कमला पुरी, समाजसेवी विपिन काहडा, अवतार वालिया, राहुल पंचैली, संयम छपरा, कैलाशनाथ, रंजन कंसल, शालू कंसल, मोना सीकरी, राकेश बधवार सहित अनेक गण्यमान्यजनों ने पहुंचकर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। यज्ञाचार्य डा. अभिषेक कुश, पं. गंगा प्रसाद शास्त्री, पं. अखिलेश तिवारी की अगुवाई में वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ महायज्ञ में प्रतिदिन भारी संख्या में श्रद्धालु यज्ञशाला की परिक्रमा कर पुण्य अर्जित कर रहे हैं। सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि संत महात्माओं के आशीर्वाद से हर वर्ष मां बगलामुखी महायज्ञ का आयोजन देश में शांति व विकास को लेकर ओर लोकभलाई के लिए किया जाता है।

सरकार का उद्देश्य सम्मान देना नहीं बल्कि लोगों का अपमान करना है : दुष्यंत चौटाला

- पंजाबी धर्मशाला में पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला को जिलाध्यक्ष राजेश पायलट ने गदा भेंट की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने प्रदेश में पेंशन काटने के मुद्दे पर कहा कि 40 हजार से अधिक बुजुर्गों की बुढ़ापा पेंशन काट दी गई है। यह साफ दर्शाता है कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य सम्मान देना नहीं बल्कि लोगों का अपमान करना है। वे पंजाबी धर्मशाला में युवा जननायक जनता पार्टी के युवा सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। पंजाबी धर्मशाला में पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के पहुंचने पर युवा जिलाध्यक्ष राजेश पायलट ने गदा भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर बैठक में पार्टी प्रदेशाध्यक्ष बृज शर्मा, युवा विंग के प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला, जिलाध्यक्ष कुलदीप जखवाला, युवा जिलाध्यक्ष राजेश पायलट, प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. जसविंदर खेहरा, प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह राठौर, होशियार सिंह किरमच, हल्का प्रधान योगेश शर्मा, विशाल मुकीमपुरा,नवीन सिहाग, साहिल लाडवा यूथ हल्का प्रधान, अजय बाजीगर, शेखर डोगरा, चंद्र प्रताप राठौर, अशोक शर्मा, रॉबिन ढांडयान आदि मौजूद रहे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए दुष्यंत चौटाला ने बताया कि 13 मार्च को जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला के जन्मदिन के अवसर पर जेजेपी द्वारा विशाल रैली आयोजित की जाएगी। प्रदेश सरकार द्वारा विकास के दावों को लेकर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री केवल प्रदेश का भ्रमण कर रहे हैं, लेकिन प्रदेश की समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दे रहे।

कुरुक्षेत्र। पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला को गदा भेंट करते युवा जिलाध्यक्ष राजेश पायलट।

वित्तीय योजनाओं, ऋण सुविधाओं एवं सहायता कार्यक्रमों की दी जानकारी

कुरुक्षेत्र। हरियाणा चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के कुरुक्षेत्र चैप्टर द्वारा सेक्टर-10 स्थित एक निजी होटल में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से अवगत कराने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग से डीसी/डीएफओ संजीव चावला मुख्य विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में उद्योगों के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने औद्योगिक इकाइयों को बिजली एवं मशीनरी का समय-समय पर ऑडिट करवाने की सलाह देते हुए कहा कि इससे ऊर्जा की बचत होगी और बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। साथ ही उन्होंने सरकार की अदिति स्कीम के बारे में भी जानकारी दी तथा उद्योगों को फंड की कमी या विस्तार की स्थिति में इक्विटी विकल्पों पर विचार करने का सुझाव दिया। सेमिनार में राज्य औद्योगिक विकास बैंक ऑफ इंडिया की ओर से महाप्रबंधक आलोक कुमार ने उद्योगों को सिडबी से संबंधित विभिन्न वित्तीय योजनाओं, ऋण सुविधाओं एवं सहायता कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुरुक्षेत्र चैप्टर के चेयरमैन डॉ. नरेंद्र पाल गुप्ता ने की। महासचिव डॉ. वीरेंद्र सिंघल एवं सदस्य निकुंज अग्रवाल का आयोजन में विशेष सहयोग रहा। एमएसएमई पॉलिसी विशेषज्ञ विकास कश्यप ने विभिन्न सरकारी योजनाओं में उद्योगों को आने वाली व्यवहारिक समस्याओं एवं उनके समाधान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

- हरियाणा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री कुरुक्षेत्र चैप्टर ने एमएसएमई पर उपयोगी सेमिनार किया आयोजित

कार्यक्रम गुरुकुल कुरुक्षेत्र में करियर मार्गदर्शन पर सत्र का आयोजन

एनडीए चयनित 9 छात्रों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

गुरुकुल कुरुक्षेत्र में विद्यार्थियों को करियर की दिशा देने तथा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के लिए चयनित छात्रों के सम्मान हेतु एक करियर मार्गदर्शन बैठक एवं सम्मान समारोह का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उन नौ विद्यार्थियों के सम्मान से हुआ, जिन्हें सेवा चयन बोर्ड द्वारा एनडीए के लिए अनुशंसित किया गया है। इस अवसर पर महाराष्ट्र एवं गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने चयनित विद्यार्थियों को चेक प्रदान कर उन्हें कड़ी मेहनत, अनुशासन और रक्षा सेवाओं में भावी अधिकारी के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। चयनित विद्यार्थियों के अभिभावकों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए गुरुकुल कुरुक्षेत्र के अनुशासित वातावरण, मूल्य-आधारित शिक्षा और सतत मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया, जिसे उन्होंने अपने बच्चों की सफलता का प्रमुख कारण बताया। छात्रों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए आचार्य देवव्रत ने गुरुकुल शिक्षा पद्धति की विशिष्टताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरुकुल में विद्यार्थियों का पालन-पोषण माँ के गर्भ में शिशु की तरह पूर्ण सुरक्षा और स्नेह के साथ किया जाता है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होता है। उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन के लिए प्राकृतिक एवं पौष्टिक आहार के महत्व पर भी बल दिया।

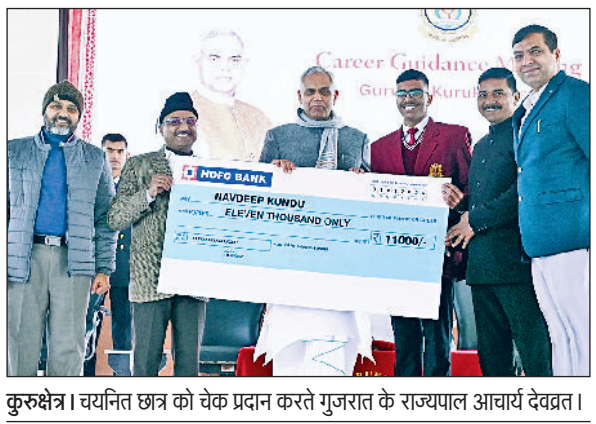

कुरुक्षेत्र। चयनित छात्र को चेक प्रदान करते गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत।

विद्यार्थियों को किया प्रेरित

विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उन्होंने गुरुकुल कुरुक्षेत्र को सुदृढ़ और मूल्य-आधारित भविष्य निर्माण के लिए श्रेष्ठ संस्थानों में से एक बताया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को वाणिज्य और विज्ञान संकायों से संबंधित मार्गदर्शन दिया गया, जिससे वे शैक्षणिक विकल्पों, व्यावसायिक अवसरों और भविष्य की करियर संभावनाओं को बेहतर ढंग से समझ सकें। साथ ही प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी हेतु अनुशासन, निरंतरता और केंद्रित योजना पर विशेष जोर देते हुए परामर्श प्रदान किया गया। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए कॉमर्स, मेडिकल/ एनआईटी एवं आईआईटी जैसे विभिन्न स्ट्रीम्स में पंजीकरण भी कराए गए, ताकि वे सूचित करियर निर्णय ले सकें। इससे पूर्व गुरुकुल निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा ने संस्थान की उपलब्धियों—विशेषकर एनडीए चयनपर प्रकाश डालते हुए आगामी सत्र के लिए शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने दोहराया कि गुरुकुल कुरुक्षेत्र विद्यार्थियों और अभिभावकों को सर्वोत्तम मार्गदर्शन व सहयोग प्रदान करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

खबर संक्षेप

स्वयंसेवकों को राष्ट्र सेवा के लिए किया प्रेरित

कुरुक्षेत्र। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ठोल के परिसर में एनएसएस का एक दिवसीय कैंप लगाया गया। कैंप के कार्यक्रम अधिकारी सुरेश कुमार ने विद्यालय प्रिंसीपल सीमा आर्य का स्वागत किया। पीजीटी इको. सुरेंद्र कुमार द्वारा मंच का संचालन किया गया। एनएसएस कैंप में जसविंद्र सिंह, देवी दयाल, ममता रानी उपस्थित रहे। सीमा आर्य ने दीप प्रज्वलित कर कैंप का शुभारंभ किया। देवी दयाल द्वारा विद्यालय की प्रगति व उन्नित के गत वर्षों की चर्चा की गई। सुरेश कुमार ने सीमा आर्य के कैंप में पहुंचने पर अभिनंदन किया। पीजीटी बायो जसविंद्र सिंह ने नशा मुक्ति पर विचार व्यक्त किए व नशे से बचने के लिए प्रेरित किया। सुरेंद्र कुमार ने स्वयंसेवकों को तन-मन से राष्ट सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

शोभायात्रा का पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

कुरुक्षेत्र। संत शिरोमणी गुरु रविदास दास जी महाराज की 649वीं जयन्ती के उपलक्ष मे गुरू रविदास मन्दिर एव धर्मशाला की तरफ से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। सेक्टर 5 मे पहुंचने पर सेक्टर वासियों की तरफ से भव्य स्वागत किया गया। सेक्टर वासियों द्वारा संत शिरोमणी गुरू रविदास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके शोभायात्रा के स्वागत की तैयारियों की शुरूआत की। शोभायात्रा का स्वागत सेक्टर वासियो व मातृ शक्ति द्वारा फूलों की बारिश करके किया गया। सेक्टर वेल्फेयर सोसाइटी द्वारा आपसी भाईचारे का संदेश देकर शोभायात्रा का स्वागत किया गया।

गुरु रविदास महाराज रैली के लिए जत्था रवाना

राजौंद। कुरुक्षेत्र में आयोजित संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की राज्य स्तरीय रैली में राजौंद से समाज के लोगों का जत्था रवाना हुआ। इस बारे प्रधान राजकुमार चौहान ने कहा संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती पर कुरुक्षेत्र में जनसैलाब उमड़ेगा। जिसमें भारी संख्या में समाज के लोग भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय रैली में मुख्य अतिथि के रूप से नायब सिंह सैनी व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर होंगे। उन्होंने कहा कि इसकी अध्यक्षता कृष्ण कुमार की पंचायत मंत्री हरियाणा सरकार करेंगे।रुक्षेत्र में आयोजित संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की राज्य स्तरीय रैली में राजौंद से समाज के लोगों का जत्था रवाना हुआ। इस दौरान उनके साथ प्रेम चोपड़ा, पार्षद प्रतिनिधि अंकित, अजय ग्रोवर, धूप सिंह, रामेश्वर सरपंच रवाना हुए।

अश्लील हरकत का विरोध करने पर महिला को पीटा

जींद। सफीदों गेट पर अशील हरकत का विरोध करने पर महिला से मारपीट करने पर शहर थाना पुलिस ने एक युवक के खिलाफ मारपीट करने, अशील हरकत करने समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है।सफीदों गेट निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस मोहल्ले के ही साहिल ने उसकी पत्नी के साथ अश्लील हरकत की।

बजट से पहले कारोबारियों का सरकार को अल्टीमेटम

- जैम पोर्टल ने साइंस कारोबार की तोड़ी कमर गलाकाट प्रतिस्पर्धा से गुणवत्ता पहुंची गर्त में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

देश की पहचान बन चुके साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट उद्योग पर संकट गहराता जा रहा है। सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जैम) पोर्टल और चीन से आयातित कच्चे माल पर भारी ड्यूटी ने मिलकर साइंस कारोबार को दोहरी मार दी है। हालात यह हैं कि अंबाला जैसे ऐतिहासिक साइंस हब के कारोबारी अब इस व्यवस्था से मुक्ति की मांग करने को मजबूर हो गए हैं। अंबाला साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन (असीमा) के पूर्व महासचिव गौरव सोनी का कहना है कि जैम पोर्टल पर देशभर के ट्रेडर्स की एंट्री ने कीमतों की अंधी दौड़ शुरू कर दी है। टेंडर हथियाने के लिए उत्पादों के दाम इस कदर गिराए जा रहे हैं कि वास्तविक निर्माता टिक ही नहीं पा रहे। इसका सीधा नतीजा यह है कि स्कूलों और शिक्षण संस्थानों तक घटिया गुणवत्ता की साइंस किटें पहुंच रही हैं। कारोबारियों का कहना है कि विज्ञान के प्रयोग सस्ते नहीं, सटीक होते हैं। लेकिन जैम पोर्टल पर केवल न्यूनतम कीमत को प्राथमिकता देने से गुणवत्ता पूरी तरह नजरअंदाज हो रही है, जिसका असर सीधे शिक्षा स्तर पर पड़ रहा है।

बजट से कारोबारियों की दो टूक मांग

आगामी बजट को लेकर साइंस कारोबारियों ने सरकार को साफ संदेश दिया है कि अगर अब भी ठोस फैसले नहीं हुए तो देश का यह पारंपरिक उद्योग दम तोड़ देगा। कारोबारियों की मुख्य मांगें है कि शिक्षण संस्थानों के लिए जैम पोर्टल की अनिवार्यता समाप्त की जाए या गुणवत्ता के कड़े मानक लागू हों, ग्लासवेयर निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल पर आयात शुल्क घटाया जाए, मेक इन इंडिया के नाम पर केवल नारे नहीं, बल्कि स्थानीय निर्माताओं को वास्तविक प्राथमिकता दी जाए। कारोबारियों का कहना है कि अगर समय रहते नीतिगत सुधार नहीं किए गए, तो मेक इन इंडिया सिर्फ पोस्टर तक सीमित रह जाएगा और भारतीय साइंस इंडस्ट्री इतिहास बनकर रह जाएगी।

ग्लासवेयर इंडस्ट्री पर चीन की इयूटी का प्रहार

संकट यहीं खत्म नहीं होता। लैब में उपयोग होने वाले कांच के उपकरण बनाने के लिए जरूरी विशेष ग्लास ट्यूब चीन से मंगानी पड़ती हैं। असीमा के सदस्य एमपी लांबा बताते हैं कि इन ग्लास ट्यूबों पर भारी इंपोर्ट ड्यूटी के चलते उत्पादन लागत बेहिसाब बढ़ गई है। नतीजतन भारतीय निर्माता न घरेलू बाजार में टिक पा रहे हैं, न अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुकाबला कर पा रहे हैं। लांबा ने बताया कि यदि सरकार बजट में ग्लास ट्यूब निर्माण के लिए विशेष क्लस्टर की घोषणा करे, तो हजारों कारोबारियों और कामगारों को राहत मिल सकती है।

कार्यशाला में छात्राओं को दिए आत्मरक्षा के टिप्स

नारायणगढ़। राजकीय महाविद्यालय नारायणगढ़ में प्राचार्य रोहित कुमार की अध्यक्षता में महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका प्रोफेसर रेनू कुमारी के नेतृत्व में महाविद्यालय की छात्राओं को आत्मनिर्भर आत्मविश्वासी एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से एक सप्ताह की आत्म-रक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में छात्राओं के लिए आत्म-रक्षा का प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। कार्यशाला के दौरान सेल्फ डिफेंस ट्रेनर ख़ुशी व उनकी टीम द्वारा छात्राओं को आत्म-रक्षा की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

समतामूलक मूलक समाज की प्रेरणा देता है संत शिरोमणि का जीवन

गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती की उपलक्ष्य में भव्य नगर कीर्तन

संत शिरोमणी गुरू रविदास जी की शिक्षाएं सर्व समाज के लिए एवं उनकी शिक्षाओं एवं आदर्शों को अपने जीवन में धारण कर अपना जीवन को बनाए पुण्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। नगर कीर्तन में भाग लेते हुए श्रद्धालुगण। *फोटो : हरिभूमि*

अंबाला। कार्यक्रम में शामिल उपस्थित श्रद्धालु। *फोटो : हरिभूमि*

संत शिरोमणी श्री गुरू रविदास जी की 649वीं जयंती के पावन अवसर पर डा. भीमराव अम्बेडकर जन कल्याण सभा द्वारा श्रद्धा एवं उल्लास के साथ नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। नगर कीर्तन जहां जहां से गुजरा वहां पर श्रद्धालुओं ने नतमस्तक होकर गुरू का आर्शीवाद प्राप्त किया। डॉ. भीमराव अम्बेडकर जन कल्याण सभा के प्रधान बंटी कुमार ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष संत शिरोमणी गुरू रविदास जी की जयंती के अवसर पर नगर कीर्तन का आयोजन किया गया हैं। नगर कीर्तन ने लोगों ने भारी संख्या में शामिल होकर इसका सफलता पूर्वक आयोजन भी करवाया है। इस मौके पर उन्होनें यह भी बताया कि संत शिरोमणी श्री गुरू रविदास जी के समतामूलक विचार, सामाजिक न्याय व करूणा का संदेश आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणी गुरू रविदास जी की शिक्षाएं सर्व समाज के लिए हैं एवं उनकी शिक्षाओं एवं आदर्शों को अपने जीवन में धारण करके अपना जीवन को पुण्य बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा संत महापुरूषों की जयंतियां सरकारी तौर पर मनाकर उनका सम्मान करने का काम किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा आज गांव उमरी में राज्यस्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्यअतिथि शिरकत की हैं। नगर कीर्तन मोतीनगर श्री गुरू रविदास मंन्दिर से शुरू होकर कचौहरी चौक, मानव चौक, जलबेड़ा रोड, डीडब्लयूएस कॉलोनी, सिंघावाला, बादशाही बाग, सोनिया कॉलोनी, रणजीत नगर से होते हुए वापिस श्री गुरू रविदास मन्दिर में आकर सम्पन्न हुआ। नगर कीर्तन के दौरान संगतों में उत्साह एवं खुशी देखी गई तथा सर्व समाज के लोगों ने नगर कीर्तन में शामिल होकर इसकी भव्यता को बढ़ाने का काम किया हैं। इस अवसर पर डा. भीमराव अम्बेडकर जन कल्याण सभा के प्रधान बंटी कुमार, उप प्रधान बंसी लाल, चेयरमैन राजपाल सूबेदार, कोषाध्यक्ष भीमराय, ऑडिटर संजीव कुमार, सचिव संदीप राठौर के साथ-साथ श्रद्धालु मौजूद रहेंगे।

गुरु रविदास के जन्म दिवस पर निकाली प्रभात फेरी

अंबाला। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के 649 वें जन्म दिवस के पावन अवसर पर गुरु ग्रंथ साहिब विद्या केंद्र सेवा समिति (रजिस्टर्ड), बहबलपुर, अंबाला की ओर से श्रद्धा एवं उल्लास के साथ जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गुरु रविदास मंदिर कमेटी की ओर से नगर कीर्तन एवं प्रभात फेरी निकाली गई, जिसका गुरु ग्रंथ साहिब विद्या केंद्र सेवा समिति की तरफ से भव्य स्वागत किया गया। साथ ही श्रद्धालुओं के लिए लंगर का विशेष प्रबंध भी किया गया। समारोह के दौरान निशाना वाली हरप्रीत सिंह बुडडा दल ने गुरु रविदास जी की जीवन गाथा एवं शिक्षाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके उपरांत समिति के सदस्यों द्वारा कीर्तन प्रस्तुत किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। वक्ताओं ने कहा कि गुरु रविदास जी के समतामूलक विचार, सामाजिक न्याय और करुणा का संदेश आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। संस्था के अध्यक्ष ज्ञानी बाबा ठाकुर सिंह द्वारा समिति को निरंतर सहयोग प्रदान किया जा रहा है, जिसके लिए सदस्यों ने उनका आभार व्यक्त किया।

अंबाला। शुभारंभ करते हुए ग्रयाम सिंह व चरण सिंह। *फोटो : हरिभूमि*

गुरु रविदास के जन्मोत्सव पर निकली शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

गांव झाड़ूमाजरा में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज के 649 वें जन्मोत्सव पर श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा। इस अवसर पर गांव के युवाओं, कमेटी सदस्यों और ग्रामीणों ने मिलकर भव्य शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा का शुभारंभ समाजसेवी ग्रयाम सिंह व चरण ने किया। उन्होंने दीप जलाकर और गुरु रविदास जी की प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर यात्रा को रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी की शिक्षाएं आज भी समाज को सही रास्ता दिखाती हैं। प्रेम, भाईचारे और समानता का संदेश अपनाकर ही समाज आगे बढ़ सकता है। शोभायात्रा गांव झाड़ूमाजरा से शुरू होकर गांव रामगढ़ के मुख्य रास्तों से गुजरी। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने फूल बरसाकर शोभायात्रा का स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों और बैंड-बाजे के साथ श्रद्धालु गुरु रविदास जी के भजन गाते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा जब गांव रामगढ़ में स्थित गुरु रविदास जी के मंदिर पहुंची तो वहां के युवाओं और मंदिर कमेटी के सदस्यों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया और चाय-पकौड़े का प्रसाद बांटा। इस आयोजन को सफल बनाने में जितेंद्र, कुलवंत, शुभम, सचिन, विशाल, मनोज, विनोद, कुलभूषण सहित कई युवाओं ने सहयोग किया। मौके पर सोहन लाल, विशाल, नीरज, सुमित, अनिल, विक्रम, पवन, रवि, जॉनी, बलकार, प्रीतपाल, राकेश, अंकुश और लवली समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

चोरी व मारपीट के दो आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना सेक्टर-9, अम्बाला शहर के उप निरीक्षक अमर सिंह व उनकी टीम ने दुकान में तोड़फोड़ कर चोरी करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान दिलबाग सिंह और तरनबीर सिंह (निवासी गाँव जलबेड़ा, वर्तमान निवासी सेक्टर-8, अम्बाला शहर) के रूप में हुई है। शिकायतकर्ता ईशान, निवासी सेक्टर-9 अम्बाला शहर ने 30 जनवरी 2026 को पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया था कि 29 जनवरी को पटेल नगर स्थित उनकी दुकान पर आरोपियों ने हमला बोला। आरोपियों ने न केवल दुकान में तोड़फोड़ कर चोरी की, बल्कि विरोध करने पर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। थाना प्रबंधक सेक्टर-9 के नेतृत्व में उप-निरीक्षक अमर सिंह की टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई ट्रैक्टर-ट्राली और चोरी किया गया सामान भी बरामद कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस टीम ने छात्राओं को सिखाए सुरक्षा के गुर

अंबाला। थाना बलदेव नगर क्षेत्र के प्रेमनगर स्थित गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पुलिस की पाठशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सेफ सिटी टीम की उप-निरीक्षक रेणु बाला और उनकी टीम ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। छात्राओं को सुरक्षा के आधुनिक साधनों से जोड़ते हुए सेफ सिटी टीम ने डायल-112 ऐप और इसकी ट्रिप मॉनिटरिंग सर्विस के बारे में विस्तार से जानकारी दी। टीम ने स्टाफ/छात्राओं को बताया कि अकेले यात्रा करते समय यह तकनीक उनकी सुरक्षा में कितनी सहायक सिद्ध हो सकती है। जागरूकता के साथ-साथ पुलिस टीम ने मौके पर ही स्टाफ/छात्राओं के मोबाइल में डायल-112 ऐप डाउनलोड भी करवाई। उप-निरीक्षक रेणु बाला ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सजगता ही सुरक्षा की पहली सीढ़ी है। उन्होंने महिला विरुद्ध अपराधों की रोकथाम, आत्म-सुरक्षा के तरीके और वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों से बचने के टिप्स साझा किए। इसके अलावा, सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यातायात नियमों के पालन की शपथ भी दिलाई गई। पुलिस अधीक्षक अम्बाला ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्राओं और कामकाजी महिलाओं में सुरक्षा की भावना पैदा करना है। पुलिस की पाठशाला के माध्यम से पुलिस सीधे आमजन से जुड़कर उन्हें ट्रिप मॉनिटरिंग जैसी सेवाओं की जानकारी दे रही है, ताकि गांव और कस्बों से आने वाली छात्राओं और कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा को पुख्ता किया जा सके।

सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अम्बाला पुलिस द्वारा आज पुलिस ऑफिसर इंस्टीट्यूट, अम्बाला शहर में एक विशेष विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विभाग से सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति सम्मान प्रकट करने और उनकी वर्षों की कर्तव्यनिष्ठ सेवा को सराहने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक जितेश जिंदल के नेतृत्व में अम्बाला पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों व कर्मचारियों ने शिरकत की। समारोह के दौरान सेवानिवृत्त हो रहे निरीक्षक दर्शना देवी, निरीक्षक सुल्तान सिंह, निरीक्षक देवी पाल, निरीक्षक ज्ञान चंद, उप निरीक्षक गुरनाम सिंह और कुक गोपाल को स्मृति चिन्ह भेंट कर और पुष्पहार पहनाकर सम्मानित किया गया। उप पुलिस अधीक्षक ने सेवानिवृत्त हुए सभी पुलिसकर्मियों के स्वस्थ जीवन और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इन कर्मियों ने अपने कार्यकाल के दौरान पूरी निष्ठा और सेवा भाव से समाज की सेवा की है। उन्होंने उपस्थित अन्य पुलिसकर्मियों को भी इन सेवानिवृत्त साथियों के सेवा भाव और अनुशासन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। सम्मान से अभिभूत होकर सेवानिवृत्त अधिकारियों और उनके परिजनों ने पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में आयोजित इस विभागीय सम्मान समारोह की सराहना की। उन्होंने इसे अपने जीवन का सबसे सुखद और यादगार दिन बताया और विभाग द्वारा दिए गए इस मान-सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया।

निःशुल्क कैंसर जांच 2 फरवरी से शुरू

अंबाला। महिलाओं के स्वास्थ्य को समर्पित एक महत्वपूर्ण पहल के तहत मोहड़ी स्थित आदेश मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में 02 फरवरी से 07 फरवरी 2026 तक कैंसर जांच सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है।

यह कार्यक्रम अस्पताल के स्त्री एवं प्रसुति रोग विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए स्त्री एवं प्रसुति रोग विभाग की अध्यक्षा डा. सतवंत कौर ने बताया कि इस विशेष अभियान के अंतर्गत महिलाओं को निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श तथा निःशुल्क पैप स्मीयर जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस जांच के माध्यम से गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की समय रहते पहचान संभव हो सकेगी। अस्पताल प्रशासन के अनुसार नियमित जांच से महिलाओं में कैंसर से होने वाली जटिलताओं को काफी हद तक रोका जा सकता है।

पैरा लीगल वालंटियर का पैनल होगा गठित

13 फरवरी तक आवेदन आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणगढ़

उपमंडल विधिक सेवा समिति नारायणगढ़ द्वारा आगामी तीन वर्षों के लिए पैरा लीगल वालंटियर (पीएलवी) का पैनल गठित किया जाएगा। इस पैनल में चयनित उम्मीदवारों को अस्थायी आधार पर रखा जाएगा तथा समिति द्वारा आवश्यकता अनुसार उन्हें कभी भी हटाया जा सकेगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिवीजन) एवं उपमंडल विधिक सेवा समिति नारायणगढ़ के चेयरपर्सन माननीय चितेश गुप्ता ने बताया कि पैरा लीगल वालंटियर के लिए आवेदन करने हेतु उम्मीदवार की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता दसवीं कक्षा पास निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि इच्छुक उम्मीदवार अपने आवेदन पत्र 2 फरवरी से 13 फरवरी 2026 को दोपहर 3रू00 बजे तक न्यायिक परिसर (ज्यूडिशियल कॉम्प्लेक्स) नारायणगढ़ के फ्रंट ऑफिस में ऑफलाइन जमा कर सकते हैं। पात्र उम्मीदवारों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। चेयरपर्सन माननीय चितेश गुप्ता ने बताया कि उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 20 वर्ष निर्धारित की गई है। पैरालिगल वालंटियर के लिए समाजसेवी, पूर्व सैनिक (एक्स सर्विसमैन), नंबरदार तथा किसी भी एनजीओ के सदस्य भी आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि चयनित पैरा लीगल वालंटियर को कोई निश्चित वेतन नहीं दिया जाएगा।

गुरु रविदास ने समाज को दिखाई दिशा : वीना रंगा

कुरुक्षेत्र। संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती के अवसर पर गांव बारना में संगत की ओर से शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर गुरु रविदास मंदिर में धार्मिक समागम हुआ। जिसमें सैंकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में वीना रंगा ने कहा का अवतार युग प्रवर्तक के रूप में हुआ। उन्होंने समाज में फैले भेदभाव और कुरीतियों को दूर करते हुए जीवन जीने की सही राह इंसान को दिखाई। उन्हीं की शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए आज समाज तरक्की के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज ने समाज में फैली कुरीतियों और भेदभाव को दूर करते हुए मानवता की सेवा की राह दुनिया को दिखाई। उन्होंने बताया कि रविवार को भी जयंती पर विशेष कार्यक्रम होगा। इस मौके पर सुमित नरवाल, पवन नरवाल, मोंटी, करेसन, प्रवीण मेहरा, देवीलाल, प्रवीण, राकेश, विक्की, सतपाल, अंकित नरवाल, शीशपाल गुरदेव, रिंकू, सचिन, मोहन लाल व अन्नु सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को दिया लिखित अभ्यास बढ़ाने का सख्त संदेश

बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी परखने के लिए डीईओ का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। स्कूलों में निरीक्षण के दौरान डीईओ सुधीर कालड़ा।

सरकारी स्कूलों में मिलने वाली शिक्षा की गुणवत्ता को परखने के लिए डीईओ सुधीर कालड़ा शनिवार को अवकाश के दिन स्कूलों में पहुँचे। अपने कार्यालय में शनिवार को अवकाश होने के बावजूद भी उन्होंने नग्गल, कलेरां और जनसुई गांवों के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक व राजकीय प्राथमिक विद्यालयों सहित कुल छह विद्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण का मुख्य फोकस कक्षा दसवीं और बारहवीं के विद्यार्थियों की बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी रहा। जिला शिक्षा अधिकारी ने कक्षाओं में पहुँचकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया और स्पष्ट शब्दों में कहा कि बोर्ड परीक्षा में सफलता का सबसे मजबूत हथियार लिखित अभ्यास है। उन्होंने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक उत्तर लिखने, प्रश्नों को समयबद्ध हल करने और उत्तर प्रस्तुति पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। इस दौरान उन्होंने बच्चों से सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के बारे में फीडबैक लिया। भोजन की गुणवत्ता संतोषजनक पाए जाने पर मिड डे मील कुक्स की सराहना करते हुए उन्हें शाबाशी दी। प्राथमिक विद्यालयों में निरीक्षण के दौरान निपुण हरियाणा मिशन के तहत कक्षा पहली से तीसरी तक के विद्यार्थियों की शैक्षणिक दक्षताओं की भी जांच की गई। प्राप्त परिणामों की रिपोर्ट को निपुण हरियाणा ऐप पर अपलोड किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी का यह औचक निरीक्षण न केवल विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी साबित हुआ, बल्कि शिक्षकों और विद्यालय प्रशासन के लिए यह स्पष्ट संदेश भी दे गया कि शिक्षा की गुणवत्ता में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

शिक्षकों को दिए जरूरी निर्देश

जिला शिक्षा अधिकारी ने शिक्षकों को भी दो टूक निर्देश दिए कि बोर्ड परीक्षाओं में पूछे गए पिछले वर्षों के प्रश्नों का नियमित अभ्यास विद्यार्थियों से कराया जाए, ताकि वे परीक्षा पैटर्न को समझ सकें और किसी भी प्रकार के मानसिक दबाव से बचें। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालयों की शैक्षणिक के साथ-साथ भौतिक व्यवस्थाओं का भी बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विज्ञान कक्ष, पुस्तकालय, मिड डे मील किचन, किचन गार्डन, शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की। जहां सुधार की आवश्यकता पाई गई, वहां विद्यालय प्रमुखों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जनसुई विद्यालय में जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यार्थियों के साथ बैठकर मिड डे मील स्वयं चखा और भोजन की गुणवत्ता की जांच की।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 1 फरवरी 2026

दुनिया की भीड़ में क्यों बढ़ रहा है अकेलापन

देश-दुनिया की आबादी भले ही दिनों-दिन बढ़ रही हो, लेकिन इसके उलट लोगों का अकेलापन भी बढ़ रहा है। अकेलेपन की समस्या विश्वव्यापी है। भारत समेत अनेक देशों के लोग इस समस्या का सामना कर रहे हैं। अकेलेपन का हमारे स्वास्थ्य ही नहीं पूरे जीवन पर दुष्प्रभाव पड़ता है। ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि इसके कारणों को जाना जाए और इसे दूर करने का हर संभव प्रयास किया जाए।

{ कवर स्टोरी
एस. भाग्यम शर्मा }

यह सही है कि दुनिया में आठ अरब से अधिक और हमारे अपने देश में 140 करोड़ से अधिक लोग रहते हैं। लेकिन दुख की घड़ी में शायद ही एक कंधा ऐसा मिले, जिस पर सिर रखकर हम रो सकें। सोशल मीडिया पर भले ही हमारे हजारों दोस्त होंगे, फॉलोअर्स होंगे, लेकिन असल जिंदगी में एक भी हमारे साथ नहीं होता। यानी आज लोगों की भीड़ में भी हर कोई खुद को अकेला महसूस कर रहा है।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

अगर कोई शारीरिक बीमारी हो तो इसका असर दूसरों को नजर आता है। अकेलेपन का दुष्प्रभाव धूम्रपान और मोटापे की तरह शरीर पर नजर नहीं आता है। दरअसल, अकेलापन हमारे मन को बीमार बना देता है। अकेलापन एक दिन में 15 सिगरेट पीने से भी ज्यादा खतरनाक असर हमारे स्वास्थ्य पर डालता है।

अकेलापन समय से पहले मृत्यु के खतरे को 25% तक बढ़ा देता है। अकेलेपन से ब्रेन स्ट्रोक और हृदय रोग का खतरा 30% तक बढ़ता है। यह डिमेंशिया के खतरे को 50% तक बढ़ा देता है, इसलिए यह बहुत आवश्यक है कि समय रहते अकेलेपन की इस बीमारी को पहचान लें और यह जानें कि कहीं आप भी अकेलेपन के अंधेरे में खोते तो नहीं जा रहे हैं।

दुनिया भर में लोग हैं परेशान

वर्ष 2023 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अकेलेपन को एक वैश्विक स्वास्थ्य संकट घोषित किया था। अकेलेपन को परिभाषित करते हुए डब्ल्यूएचओ ने कहा था कि अकेलापन व्यक्ति की अपनी भावनात्मक पीड़ा है, जो सामाजिक अलगाव और सार्थक रिश्तों की कमी से पैदा होती है। आज के दौर में अकेलापन दुनिया भर में एक गंभीर बीमारी का रूप ले चुका है। जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में कई लोग इस कदर अकेले हो चुके हैं कि अगर उनकी मृत्यु भी हो जाए तो कई-कई दिनों तक बाहरी दुनिया को उनकी मौत के बारे में पता ही नहीं चलता।

वहां से आई खबरों के अनुसार पिछले साल जापान में करीब 76,000 लोगों की उनके घर में अकेले रहते हुए मौत हुई। 4,000 लोग ऐसे थे, जिनके मरने के करीब एक महीने के बाद बाहर के लोगों को उनकी डेड बॉडीज मिलीं। जापान में तो अकेलेपन को दूर करने के लिए ज्यादा उम्र के लोग कई बार जान-बूझकर अपराध करने के लिए भी तैयार हो जाते हैं, जिससे उन्हें सजा मिले और सजा के बाद वे जेल में दूसरे लोगों से मिलकर कुछ बातचीत कर सकें, उनका अकेलापन दूर हो, उनका मन लग सके।

बढ़ रहे हैं एकल परिवार

भारत में भी अकेलापन तेजी से फैल रहा है। इसकी मुख्य वजह है भारतीय समाज में टूटते संयुक्त परिवार। पहले के दौर में हमारे घर-परिवार में साथ रहने वाले अपने माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी के साथ हम अपना सुख-दुख शेयर कर लिया करते थे। लेकिन अब वह दौर नहीं रहा। अब संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है, जहां परिवार में पति-पत्नी ही रहते हैं। कई कपल तो बच्चे तक पैदा नहीं करना चाहते। बच्चे इसलिए नहीं पैदा करना चाहते, क्योंकि वे जानते हैं कि अगर बच्चे हुए तो उनकी देखभाल करने वाला परिवार में कोई नहीं है। महानगरों में 'ड्यूल इनकम-नो किड्स' का चलन बढ़ रहा है।

बढ़ती सामाजिक दूरी भी है वजह

पिछली सदी तक हम सब अनजान लोगों से भी बातचीत कर लिया करते थे। कोई रास्ता पूछता था तो बड़े मन से उसे रास्ता बताते, कई बार तो उन्हें उनके गंतव्य तक छोड़ कर आ जाते थे। बाजार जाते तो किराने की दुकान या सब्जी की दुकान पर दुकानदार से बातचीत कर लिया करते थे। अड़ोसी-पड़ोसी से उनका हाल-चाल पूछ लिया करते थे। चाय की दुकानों पर जाने-अंजाने लोग भी खूब बतियाते थे। लेकिन अब ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते ट्रेंड से लोगों का बाजार आना-जाना भी बहुत कम हो गया है। सब इतने व्यस्त हो गए हैं कि किसी के पास समय ही नहीं रह गया है, एक-दूसरे की खबर लेने का।

बच्चे-युवा भी हो रहे प्रभावित

2021 के ग्लोबल सर्वे के मुताबिक, अकेलेपन से प्रभावित होने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश भारत है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शहरों में 43% लोग अकेलापन महसूस करते हैं। चिंताजनक बात यह है कि 13 से 15 साल की उम्र के 25 % बच्चे भी अकेलापन अनुभव कर रहे हैं। सोशल मीडिया की वजह से भी अकेलापन तेजी से बढ़ रहा है। कई स्टडीज में सामने आया है कि सोशल मीडिया की लत, युवाओं में अलगाव, अकेलापन और डिप्रेशन को बढ़ा रही है।

मशीनी हो रही भावनाएं

अकेलापन इसलिए भी बढ़ रहा है कि लोग एक-दूसरे के साथ अपनी भावनाएं साझा नहीं करते हैं। सोशल मीडिया में कोई इमोजी भेजकर खुद को दायित्वमुक्त समझ लेते हैं। आजकल लोगों को लगता है कि भावनाओं को व्यक्त करने के लिए किसी की आंखों में आंख डालने की जरूरत नहीं है। किसी का हाथ थामने की जरूरत नहीं है। लोगों को लगता है कि भावनाओं को व्यक्त करने के लिए इमोजीज भेजना ही पर्याप्त है। यानी जब हम दुखी महसूस करते हैं तो हमारे साथ किसी की वास्तविक भावनाओं के स्थान पर ढेरों इमोजीज होते हैं।

अकेलापन दूर करने का करें प्रयास

हमें बचपन से ही सिर्फ यह सिखाया जाता है कि सफलता ही खुशी का सबसे बड़ा पैमाना है और जीवन में हर कीमत पर सफल होना सबसे जरूरी है। जो सफल है, वह खुश भी रह लेगा। हमें रिश्तों की अहमियत नहीं सिखाई जाती। सफलता और अधिक से अधिक पैसा, सुख-सुविधाएं अर्जित करने की अंधी दौड़ में ज्यादातर लोग अपने रिश्तों को पीछे छोड़ देते हैं। जाहिर है, इससे जीवन में अकेलापन आएगा ही। अकेलापन किसी सफलता से या दौलत कमाने से या शानदार करियर से नहीं, अपनों के साथ होने से दूर होता है। इसलिए अगर आप भी अकेलापन महसूस करते हैं तो सोशल मीडिया पर ही नहीं अपने दोस्तों, रिश्तेदारों से मिलने उनके घर जाइए, उन्हें अपने घर बुलाइए। परिवार के साथ समय बिताइए। अंजान लोगों से भी बात करने में न हिचकिचाइए। यही नहीं अगर आपके परिवार में या आस-पास कोई ऐसा व्यक्ति है, जो अकेलापन महसूस कर रहा है तो उससे बात कीजिए। उसके अकेलेपन को दूर करने का प्रयास कीजिए। जरूरत पड़ने पर काउंसलर की मदद भी ले सकते हैं। ऐसा करने से उस व्यक्ति का अकेलापन तो दूर होगा ही, आपको भी आत्मीय खुशी, संतुष्टि मिलेगी। *

कई देशों में हो रही नई पहल

अकेलेपन की समस्या से निपटने के लिए अलग-अलग देशों में अब कई तरह की पहल की जा रही है। जैसे दक्षिण कोरिया में बुजुर्गों के लिए हैप्पी कैब्स चलाई जा रही हैं। यह एक कैब सर्विस है, जिसमें बुजुर्ग लोग अंजान लोगों के साथ बैठकर घूमने जा सकते हैं। उनसे बातचीत कर सकते हैं, अपने सुख-दुख साझा कर सकते हैं। इससे उन्हें अपना अकेलापन दूर करने में मदद मिलती है। इसी तरह अकेलेपन की समस्या के समाधान को तलाशने के लिए ब्रिटेन ने वर्ष 2018 में ही लोनलीनेस मिनिस्टर की नियुक्ति शुरू कर दी थी। एक अलग मंत्रालय, एक अलग मंत्री, जो सिर्फ यह देखेगा कि देश में लोगों के अकेलेपन को कैसे दूर किया जा सकता है? वहां अकेलेपन से जूझ रहे लोगों को काउंसिलिंग और मेडिकल सपोर्ट उपलब्ध कराए जाते हैं।

जिंदगी को खुशमिजाज बनाना हमारे ही हाथों में होता है। अगर हम अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ बदलाव कर लें, कुछ आदतों को शामिल कर लें तो हमारी जिंदगी खुशमिजाज बन सकती है। ऐसा किस तरह हो सकता है, जानिए।

जीने के अंदाज में करें बदलाव खुशमिजाज हो जाएगी जिंदगी

{ लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन }

हमारा दिमाग ही हमारी सोच और नजरिए का स्रोत होता है। जब दिमाग अशांत या उद्वेलित रहता है तो हमें हर चीज में उथल-पुथल, नकारात्मकता और बुराई नजर आती है। लेकिन जब दिमाग शांत रहता है, हम खुशमिजाज रहते हैं तो हमें हर चीज सकारात्मक अच्छी और सही लगती है। खुशमिजाजी और सुकून के लिए कुछ बातें और आदतें अपनानी जरूरी हैं।

लोगों से बनाए अच्छे संबंध

भले ही सबको खुश रखना दुनिया का सबसे कठिन काम है लेकिन सबके साथ खुश रहना दुनिया का सबसे आसान काम है। हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट के डायरेक्टर और मनोचिकित्सक रॉबर्ट वालडिंगर का कहना है कि लोगों के साथ मजबूत और मधुर संबंध खुशी की प्रमुख वजह बन सकते हैं। ये लोग रोमांटिक पार्टनर, आपके दोस्त, बच्चे, सहकर्मी, पड़ोसी, रिश्तेदार या भाई-बहन कोई भी हो सकते हैं। भले ही हम सब स्वतंत्रता को खास मानते हों, लेकिन यह ना भूलें कि हम सब एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं। जब हम अपने इर्द-गिर्द मौजूद लोगों के साथ अच्छे संपर्क रखते हैं तो मानसिक खुशी तो मिलती ही है, एक बड़ा सपोर्ट सिस्टम भी मिलता है, जो हमें हर तरह से सुकून देता है।

अजनबियों से करें बातचीत

ओटावा (कनाडा) की कार्लटन यूनिवर्सिटी के मनोविज्ञानी जॉन जेलवेंसकी कहते हैं कि आपको एक्सट्रोवर्ट होना चाहिए। अंतर्मुखी, गंभीर और चुप्पी साध कर रहने वाले लोग उदास रहते हैं, जबकि सबसे आसानी से घुल-मिल जाने वाले और अजनबी लोगों से बातचीत करने की कला जानने वाले अकसर खुशमिजाज रहते हैं। साथ ही ऐसे लोग आसानी से अपना सोशल सर्किल और बिजनेस सर्किल भी बढ़ा लेते हैं, जिससे इन्हें सफलता मिलती है। जाहिर है, सफलता भी खुशी मिलने की एक महत्वपूर्ण वजह है।

पालतू के साथ समय बिताएं

वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक ताजा अध्ययन में पाया गया कि पालतू जानवर के साथ बिताया गया 10 मिनट का समय भी दिमाग को सुकून देने वाला होता है। इससे कार्टिसोल नामक स्ट्रेस हार्मोन का स्तर गिरता है। अमेरिकी नागरिकों द्वारा किए गए एक शोध में पाया गया कि सबसे ज्यादा सुकून देने वाले पालतू कुत्ते होते हैं।

कुदरत को निहारें

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के शोधकर्ताओं ने 90 स्टूडेंट्स पर किए गए शोध में पाया कि कुदरत को निहारना मन को सुकून देने वाला एहसास होता है। जब हम पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं को निहारते हैं तो हमारा ध्यान परेशानियों से हटकर पूरी तरह उन्हीं पर लग जाता है। इससे दिमाग को सुकून मिलता है।

फल-सब्जी ज्यादा खाएं

सोशल साइंस एंड मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित ताजातरीन स्टडी रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रचुर मात्रा में फल और सब्जी खाने से खुशमिजाजी और सुकून मिलता है। इसलिए रोज कच्ची सब्जियों का सलाद और फल खाएं। सबसे बड़ी बात यह है कि अगर आप खान-पान, आराम और सोने का समय निर्धारित कर लेते हैं तो आपका हैप्पीनेस लेवल बढ़ जाता है। न्यूट्रीशन, एक्सरसाइज और रेस्ट, खुशी के मूल मंत्र हैं।

वाटर बॉडीज के पास जाएं

जर्नल आफ एनवॉयर्नमेंटल साइकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि पानी के संग्रह स्थल नजदीक रहने से लोगों में पॉजिटिव इमोशंस का संचार होता है। स्विमिंग पूल, समुद्र या नदी के किनारे खड़े होकर पानी की हलचल को निहारना सुकून देता है। इससे स्ट्रेस लेवल भी कम होता है। *

इन पर भी करें अमल

जीवन के हर आयाम को बराबर समय देने की कोशिश करें, जैसे- परिवार, व्यापार, मित्र, जीवनसाथी, समाज आदि क्षेत्रों में सक्रिय रहें। हंसी-मजाक करें, लेकिन दूसरों का मजाक ना उड़ाएं। कई बार इससे स्थिति बिगड़ जाती है और तनाव का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा नए अनुभवों पर पैसा और समय खर्च करें। उन कार्यों को करे, जो आपने कभी नहीं किया और देखा। जैसे हॉर्स राइडिंग करना, घुड़दौड़ देखना, अंडरवाटर स्पोर्ट देखना या इसमें शामिल होना, थिएटर में जाकर नाटक देखना, किसी बर्फीले स्थान की यात्रा करना आदि।

{ व्यंग्य
अंशुमान खरे }

गणित में बचपन से ही हम बगैर होशियार होकर भी होशियार थे। न मालूम गणित के मास्साब कहां-कहां से सवाल लाते थे, लेकिन पिटते-पिटाते किसी तरह गणित में पास कर दिए जाते थे। घर वालों की तमन्ना डॉक्टर, इंजीनियर बनाने की थी। कक्षा में हमेशा अपराधी की तरह बैठे रहते थे। गणित के गुरु जी हमेशा हमें अंतरराष्ट्रीय गणितज्ञ बनाने का मजाक करते रहते थे। पर हमें कुछ भी समझ नहीं आता। हमारे गणित के गुरु जी फिरकी लेते थे कि मुझे भगवान भी नहीं समझा सकते। गणित की क्लास हमारे लिए आफत से कम नहीं थी। मास्साब के सवाल भी माशाअल्लाह अद्भुत होते थे। एक औरत एक काम को चार घंटे में पूरा कर लेती है तो बताओ उसी काम को आठ औरतें कितने समय में पूरा करेंगी? मैं कहता, 'आठ औरतें काम तो पूरा कर नहीं पाएंगी। हां, रायता जरूर फैला देंगी।'

सवाल से सवाल निकालने की कला में हमारे मास्साब का कोई सानी नहीं था। कपड़े पर अटक गए तो उसी से जुड़े सवाल पर सवाल पूछने लगते, 'बताओ बच्चो, अगर एक साड़ी धूप में एक घंटे में सूखती है तो चार साड़ियां सूखने में कितना समय लेंगी?'

बहुत सरल सवाल सोचकर मैं हाथ उठाकर बोल पड़ा, 'वेरी सिंपल, चार घंटे।' मास्साब जवाब सुनकर आपे से बाहर हो गए। मैं समझ नहीं पा रहा था, मास्साब को सीधा-सा गुणा करना नहीं आता क्या?

मैंने हिम्मत करके एक सवाल पूछ लिया, 'गुरु जी, अगर एक गांव में एक गाय है और वह दो लीटर दूध देती है तो बताइए गांव वाले चालीस-चालीस लीटर दूध बाहर कैसे सप्लाई करते हैं?' मास्साब का माथा ठनका और तमतमा कर क्लास से बाहर चले गए। मेरा सवाल अनुत्तरित रह गया। मेरे सवाल पर क्लास में चर्चा होने लगी। सब हैरान। प्रश्न तो उचित है। मास्साब नाराज क्यों हो गए? गणित के मास्साब का वैसे भी स्कूल में काफी जलवा था। प्रधानाचार्य से लेकर सभी अध्यापक और छात्र उनको आदर की दृष्टि से देखते थे। दूध की सप्लाई का सवाल गणित के मास्साब के गले की फांस बन गया। कुछ दोस्तों ने कहा, 'पानी मिला लेते होंगे।'

पर इतना पानी मिलाकर दूध रह ही नहीं पाएगा। सब पानी-पानी हो जाएगा।

मास्साब इस बात को पता लगाने में जी-जान से जुट गए कि इस प्रश्न को किसके इशारे पर उनसे पूछा गया है। यह किस अध्यापक की साजिश है, पता लगाना जरूरी है। गणित के मास्साब को पहली बार किसी सवाल पर नर्वस होते देखा। इसलिए मैं बार-बार उनसे इस प्रश्न को पूछता रहा। मास्साब को भी समझ नहीं आ रहा था कि कौन-सा फार्मूला लगाएं कि दो लीटर दूध बराबर चालीस लीटर दूध हो जाए। कुछ तो गड़बड़ है। इस तरह के सवाल किसी किताब में नहीं होते हैं। मास्साब मेरे प्रश्न में उलझते जा रहे थे। मैं उनकी तरफ आशाभरी दृष्टि से टकटकी लगाकर धैर्य से देखता रहता था।

मेरे प्रश्न को दूर-दूर तक पहुंचाया गया। कहीं से समस्या का समाधान निकले। प्रधानाचार्य जी ने ऐसा गांव पहचाना, जहां के लोग दो लीटर दूध से चालीस लीटर दूध बनाने में सफल हुए हैं। उन्होंने गांव के लोगों को सम्मानित करने की योजना बनाई। गांव के प्रधान गांव को सम्मानित करने के नाम से उत्साहित दिखे। ऐसे प्रतिभाशाली लोगों की ओर सबका ध्यान खींचने के लिए मुझे भी मालाओं से लाद दिया गया। क्षेत्र के विधायक, सांसद, सभी ने गांव को सम्मानित करने में रुचि दिखाई। श्वेत क्रांति के लिए पूरे गांव के लोगों को बधाई देने वालों का तांता लग गया। शासन, प्रशासन ने भी गांव को सम्मानित करने के सुर में सुर मिला दिया। जिलाधिकारी से लेकर सारे कर्मचारी मुस्तैदी से सम्मान समारोह की तैयारी में जुट गए हैं। लेकिन मैं और गणित के मास्साब प्रश्न अनुत्तरित रहने से चिंतित हैं। हम दोनों शून्य में उत्तर खोजने की कोशिश कर रहे हैं। दुग्ध क्रांति की गुत्थी उलझती जा रही है। सुना है कि गांव के सम्मान समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री भी आएंगे और ऐसी प्रतिभाओं को सम्मानित करेंगे, जो दो लीटर दूध से चालीस लीटर दूध सप्लाई करने का 'हुनर' जानते हैं। *

गणित के मास्साब को पहली बार किसी सवाल पर नर्वस होते देखा। इसलिए मैं बार-बार उनसे इस प्रश्न को पूछता रहा। मास्साब को भी समझ नहीं आ रहा था कि कौन-सा फार्मूला लगाएं कि दो लीटर दूध बराबर चालीस लीटर दूध हो जाए। कुछ तो गड़बड़ है।

प्रतिभा सम्मान

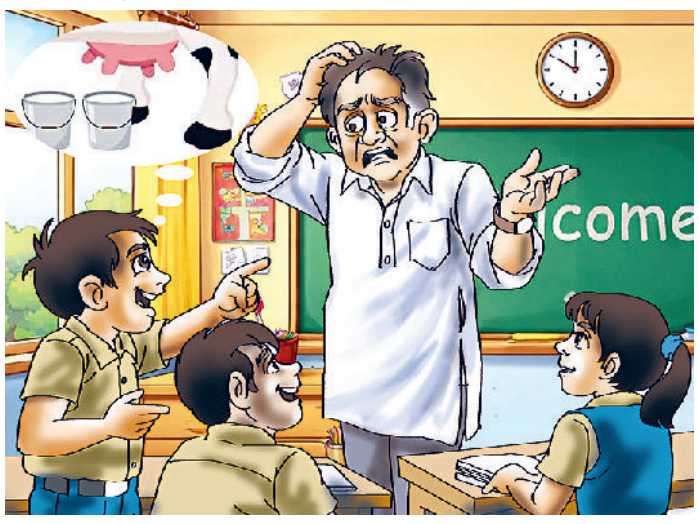

{ लघुकथा / निशा भास्कर }

छांव से दूर

अस्पताल जाते समय सड़क की भीड़ और अब वहां सैकड़ों की संख्या में कतारबद्ध खड़े लोगों को देखकर बाबूजी बोले, 'महानगरों के सड़कों पर दौड़ती-हांफते वाहनों के साथ, यहां का आम जीवन थरथराते हुए गुजरता है।'

'राजधानी में अच्छी सुविधा मिलेगी, यह सोचकर सभी राज्यों से लोग आकर यहां बसना चाहते हैं और बसते भी हैं, इसलिए भीड़ तो होगी ही।' बाबूजी की ओर देखकर मयंक धीरे से बोला। बाबूजी बड़ी मुश्किल से इलाज के लिए अपना घर और गांव छोड़कर अपने बेटे मंयक के पास इस महानगर में आए थे। कहीं बाबूजी गांव वापस जाने की जिद्द न करने लग जाएं, यह ख्याल आते ही मयंक बोला, 'बाबूजी एक बार आपका अच्छी तरह से इलाज हो जाए बस और हमें क्या चाहिए!' 'अरे बेटा! मुझे लगता है यहां तो हम और भी बीमार हो जाएंगे। स्वस्थ क्या खाक होंगे?' कहकर वे तेज-तेज खांसने लगे। उनकी आंखें भी लाल हो गईं। मयंक ने घबराकर इधर-उधर देखा। अस्पताल का प्रतीक्षालय पूरी तरह से भरा हुआ था। एक भी सीट खाली नहीं थी, जहां बाबूजी को वह बैठा सके। एक व्यक्ति जो उसी की तरह दिख रहा था। मयंक ने उसे आग्रहपूर्ण नजरों से देखा। उस व्यक्ति ने खड़े होकर बाबूजी को बिठाने का इशारा किया। मयंक ने बाबूजी को बिठाया और दोनों हाथ जोड़कर उस व्यक्ति का आभार व्यक्त किया और बाबूजी से बोला, 'मैं अभी आया।' फिर वह शीघ्रता से अस्पताल से बाहर निकल गया। थोड़ी ही देर में पानी की बोतल लेकर आया और बाबूजी को पानी पिलाकर बोला, 'आप चिंता न करें, हम जिस डॉक्टर से दिखाने के लिए आए हैं, उनका बहुत नाम है। उनके इलाज से कितना भी पुराना रोग, ठीक हो जाता है।' बाबूजी, बेटे की बात सुनकर बोले, 'अरे! यह तो बुढ़ापे का रोग है। खांसना-खंखारना तो लक्षण है, बुढ़ापे का। लेकिन बेटा, मेरी एक बात ध्यान से सुन, यह शहर बड़ा है, डॉक्टर बड़ा है पर हम तो बड़े लोग नहीं हैं न! बड़ा शहर और इसकी सुविधाएं बड़े लोगों के लिए होती हैं। हम इनके फोटो देखकर अपने से झूठ बोलते हैं कि मैं भी इसका हिस्सा हूं। पर हमारी इतनी औकात नहीं है।' मयंक की आंखें गीली हो गईं। वह बोला, 'सच कह रहे हैं बाबूजी! बीस साल की नौकरी में क्या ही कर लिया मैंने? आज तक बीवी बच्चों को इस शहर में एक छत भी न दे सका।' बेटे को इस तरह उदास देखकर बाबूजी उसके सिर पर हाथ रखकर बोले, 'बेटा हम अपने गांव चलेंगे। वहीं के अंग्रेजी स्कूल में मेरी पोती पढ़ेगी और मैं अपने बड़े से आंगन में नीम की छांव तले बैठकर उसके साथ खेलूंगा और' तभी नर्स ने टोकन नंबर बहत्तर रामजस को आवाज दी। मयंक बाबूजी का हाथ थाम कर बोला, 'चलिए बाबूजी, अपना नंबर आ गया।' *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

अलग मिजाज की कहानियां

वरिष्ठ कथाकार हबीब कैफी की चुनी हुई सत्रह कहानियां 'तमन्ना खानम' पुस्तक में प्रकाशित हुई हैं। करीब साढ़े पांच दशक के कालखंड में लिखी गई ये कहानियां, हमें समाज के अलग-अलग तबके से ताल्लुक रखने वाली स्त्रियों की जिंदगी से रूबरू कराती हैं। कहीं पुरुषत्व के दंभ से दमित लेकिन फिर भी उसके साथ रहने को विवश भंवरी नजर आती है (औरत),

तो कहीं गणिकाओं के जीवन की त्रासदी भोगती मरजीना की कराह सुनाई पड़ती है (मरजीना)। 'तमन्ना खानम' कहानी में उच्च वर्ग की महिला तमन्ना को अपनी जिंदगी की पेचीदगियों को अपने अंदाज में सुलझाते देखा जा सकता है। बहुत अलग मिजाज की ये कहानियां, कहीं-कहीं उर्दू के मशहूर कथाकार मंटो की याद दिलाती हैं। इन कहानियों में भाषा की रवानगी भी देखने लायक है। *

पुस्तक: तमन्ना खानम (कहानी संग्रह), **लेखक:** हबीब कैफी,
मूल्य: 299 रुपए, **प्रकाशक:** कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली

जरा सोचिए, प्रकृति और जीवन में रंग और सुगंध न हों तो यह दुनिया कितनी नीरस हो जाएगी। ये फूल ही तो हैं, जो हमारी दुनिया को रंगीन बनाते हैं, खुशबू से महकाते हैं। वासंती मौसम में तो बाग-बगीचों में फूलों की बहार ही आ जाती है। ऐसे में आइए, बात करें फूलों की...

वासंती मौसम में बात फूलों की

प्रकृति
शिखर चंद जैन

हर ऋतु में प्रकृति हमारे लिए कई बेशकीमती सौगातें लेकर आती है। प्रकृति की इन सौगातों में कुछ बेहद खूबसूरत फूल भी शामिल हैं। फूलों की यह मनमोहक दुनिया, हमें एहसास कराती है कि जीवन में रंग और खुशबू का कितना महत्व है। हर फूल अपनी जगह खास है, चाहे वह सड़क किनारे खिला छोटा-सा अनाम फूल हो या किसी बगीचे में खिला राजसी गुलाब। अगली बार जब आप किसी फूल को देखें, तो रुककर उसकी मोहक बनावट, उसकी सुगंध के बारे में जरूर सोचें। इन्हें जितना गौर से, प्यार से देखेंगे आपको इनसे उतना ही ज्यादा लगाव हो जाएगा।

संभालें नाजुक फूलों को: फूल हमारी धरती को खूबसूरती तो प्रदान करते ही हैं। इसके अलावा कई कीट-पतंगों को अपना रस, कई औषधीय लाभ और हमें खुशी का अहसास भी कराते हैं। ये मधुमक्खियों और तितलियों को आकर्षित करते हैं, जिससे परागण होता है। इससे पौधे बीज बना पाते हैं और नए पौधे उगते हैं। इस तरह फूल हमारे पर्यावरण का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इसलिए हमारा भी फर्ज है कि हम उनकी रक्षा करें। ज्यादा कुछ नहीं तो इतना तो कर ही सकते हैं कि हम बिना कारण फूलों को न तोड़ें। जब हम फूल तोड़ते हैं, तो वह पर्याप्त मात्रा में बीज नहीं बना पाते और नए पौधे नहीं उग पाते हैं। फूलों की हिफाजत की शुरुआत अपने घर से करें। घर के गमलों में लगे फूलों वाले पौधों को नियमित तौर पर पानी दें और उन्हें कुछ समय के लिए सूरज की रोशनी में भी रखें। तितलियों, मधुमक्खियों और भौंरों को फूलों पर बैठकर उनका रस चूसने दें। उन्हें भगाने का प्रयास न करें। न भूलें कि इससे उन कीटों को भोजन तो मिलता ही है, उस फूल वाले पौधे का परागण भी होता है। प्रकृति का सम्मान करें और अधिक से अधिक फूलों के पौधे लगाएं ताकि हमारे आस-पास हमेशा फूल महकते रहें।

बात भी करते हैं फूल: फूलों की मूल भाषा सुगंध होती है। ये हम मनुष्यों से अपनी मादक महक के माध्यम से बतियाते हैं। खुशबू से वे अपनी उपस्थिति का एहसास कराते हैं। हमें अपनी ओर आकर्षित करते हैं। सभी फूल अपनी अलग-अलग खुशबू फैलाते हैं। कुछ मधुमक्खियों और तितलियों को बुलाने के लिए और कुछ कीड़े-मकोड़ों को दूर भगाने के लिए। वैसे फूलों के पौधों समेत सभी पौधे, अपनी जड़ों और फंगस के नेटवर्क के जरिए भी एक-दूसरे से जुड़े होते हैं और पोषक तत्वों या पानी की कमी जैसी जानकारी साझा करते हैं। साथ ही हवा में

रसायन छोड़कर भी वे संवाद करते हैं। जब किसी पौधे पर हानिकारक कीट हमला करते हैं तो वह हवा में कुछ रसायन छोड़ते हैं, जिसे आस-पास के दूसरे पौधे महसूस कर लेते हैं और अपनी सुरक्षा के लिए तैयार हो जाते हैं। प्रसिद्ध भारतीय वनस्पति विज्ञानी सर जगदीश चंद्र बोस ने बताया था कि पौधे इलेक्ट्रिक सिग्नल्स के जरिए भी संवाद करते हैं।

हमें इसलिए भाते हैं फूल: फूल हमें इसलिए अच्छे लगते हैं, क्योंकि उनके सुंदर रंग, मनमोहक सुगंध और आकर्षक बनावट हमारे दिमाग में खुशी के हार्मोन (डोपामाइन और सेरोटोनिन) पैदा करते हैं, जिससे हमें शांति और ताजगी महसूस होती है। फूल प्रकृति की सुंदरता, जीवन की सरसता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माने जाते हैं। इतना ही नहीं, ये दवा के रूप में भी महत्वपूर्ण होते हैं। पौराणिक काल में किसी स्थान पर फूलों की मौजूदगी इंसानों को यह संकेत देती थी कि आस-पास पानी, पोषक तत्व और भोजन (फल) उपलब्ध हैं। यही वजह है कि मानव सभ्यता के विकास से ही फूलों से हमारा गहरा जुड़ाव रहा है। फूलों के चटक, खूबसूरत रंग, इनकी मुलायमियत और सिमेट्रिकल बनावट आंखों को बहुत आकर्षित करती हैं।

कम नहीं सांस्कृतिक-प्राकृतिक महत्व: फूलों का सांस्कृतिक और प्रतीकात्मक महत्व भी है। ये खुशी, प्रेम, सम्मान और उत्सव के प्रतीक माने जाते हैं, इसलिए जन्मदिन, शादियों और अन्य शुभ अवसरों पर फूलों को बुके, माला, गुच्छ के रूप में भेंट किया जाता है। वास्तु और ज्योतिष के अनुसार, फूल घर में सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं और नकारात्मकता को दूर करते हैं, जिससे खुशहाली आती है। *

आर्थिक लाभ भी कराते हैं फूल

फूलों को पसंद किए जाने की एक वजह यह भी है कि ये लाखों लोगों को आर्थिक लाभ भी कराते हैं। कोई फूल उगा कर, कोई इन्हें बेच कर, कोई सजा कर, कोई निर्यात करके और कोई इनसे सजावटी सामान, मालाएं और बुके आदि बनाकर धनार्जन करता है। भारत में फूलों का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है, जिसका बाजार 2022 में लगभग 23,000 करोड़ रुपए का था और 2028 तक 46,700 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है। बेंगलुरु, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल प्रमुख पुष्प उत्पादक राज्य हैं। गुलाब, गेंदा, रजनीगंधा और ऑर्किड जैसे फूलों की मांग दुनिया भर में सबसे अधिक है। भारत के फूल संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, नाइजीरिया सहित कई देशों में भी भेजे जाते हैं।

सफलता के लिए जानना है जरूरी आप क्या नहीं करना चाहते

करियर फील्ड कोई भी हो, उसमें सफल होने के लिए आपका फोकस्ड होना सबसे जरूरी है। फोकस्ड होने के लिए यह जानना जितना जरूरी है कि आपको क्या-क्या करना है, उतना ही जरूरी यह भी होता है कि क्या-क्या नहीं करना चाहते हैं?

सेल्फ मोटिवेशन
कीर्तिशेखर

कई बार जीवन में 'हां' से ज्यादा जरूरी और ताकतवर होता है, 'नहीं'। विशेषकर करियर में सफल होने के लिए अगर शुरू से ही हमें यह पता हो कि हम क्या नहीं बनना चाहते, तो बहुत फायदा होता है।

क्या कहती हैं स्टडीज: करियर में सक्सेस के संबंध में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में हुए एक शोध के मुताबिक 60 फीसदी से ज्यादा लोग ऐसे कामों में लगे होते हैं, जिन्हें वो करना पसंद नहीं करते, मगर जोखिम न उठाने के चलते वो ऐसे काम जीवनभर करते रहते हैं। इसके साथ ही एक दूसरा जबर्दस्त शोध इस विषय पर हुआ है कि दुनिया में जितने सफल लोग हैं, उसमें 90 फीसदी से ज्यादा ऐसे हैं, जो उस काम को कर रहे हैं, जिसे वह करना चाहते थे। जी हां, जब हम कोई ऐसा काम करते हैं, जो हमारा मनपसंद होता है, उसमें सफल होने के चांस 10-20 फीसदी नहीं पूरे 100 फीसदी ज्यादा होते हैं। इसलिए सफलता की असली नींव क्या करना है, से नहीं बल्कि क्या नहीं करना है, से पड़ती है। जिस दिन हम यह समझ लेते हैं कि हम जीवन में क्या नहीं करना चाहते, उसी समय हमारे करने वाले कामों की लिस्ट बिल्कुल साफ और सफलता की उम्मीद बिल्कुल स्पष्ट हो जाती है।

'नहीं' क्यों जरूरी है: हम अकसर यह मानकर चलते हैं कि हां कहना सकारात्मक होता है और नहीं कहना नकारात्मक। लेकिन बात अगर स्पष्ट रूप से जिंदगी में करियर की दिशा चुनने की हो तो न कहना ज्यादा सकारात्मक होता है बजाय हर काम के लिए हां कर देने के। 'हां' कहना जितना आसान होता है, उसका नुकसान उतना ही बड़ा होता है। इसलिए जो काम न करना चाहते हों, उसे करने के आसान विकल्प मिलें तो बेहतर है 'नहीं' करना सीखें।

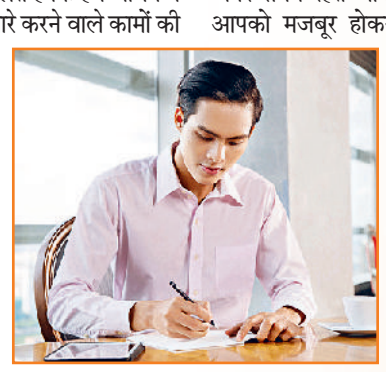

सफलता का पहला स्टेप: सफल लोग पहले यह तय करते हैं कि उन्हें क्या नहीं करना। इसलिए वे कुछ बातों को अमल में लाते ही हैं।

- हर काम और हर मौके पर कूद नहीं पड़ते।
- हर चमकदार विकल्प में नहीं फंसते।
- वे हर सलाह को आदेश नहीं मानते।
- सुनते सबकी हैं, लेकिन करते हैं, जो उनके मन में चल रहा होता है। यानी जो उन्हें सही लगता है।
- ऐसे लोग हर अपेक्षा को अपने सिर पर नहीं ढोते हैं।

दरअसल, सफलता का दर्शन दुनिया में कई नामों से जाना जाता है जैसे- फोकस, प्राथमिकता, सीमाएं और आत्मनियंत्रण। लेकिन सबका मूल एक ही है। आखिर मैं क्या करना चाहता हूं और क्या नहीं करना चाहता हूं?

इसलिए नहीं कहने से डरते हैं लोग: नहीं कहने से ज्यादातर लोग इसलिए डरते हैं, क्योंकि न कहना गैरसामाजिक माना जाता है। न कहने में एक किस्म की बगावत, विरोध होता है। इसलिए लोग न कहने से बचते हैं। लेकिन बचना वास्तव में 'बचना' नहीं होता। अगर न कहने से आप बचते हैं तो आखिरकार उसी न में फंस भी जाते हैं। इसलिए जब करियर के बारे में गंभीरता से सोचें तो अपनी सबसे पहली और जरूरी लिस्ट यह बनाएं कि आप क्या-क्या नहीं करना चाहते हैं? अगर समय रहते आपमें यह स्पष्टता नहीं आई तो एक दिन आपको मजबूर होकर 'नहीं' खुद सिखा देगी। मसलन, मानसिक तनाव के जरिए, असफलता के चलते या पछतावे के रूप में। क्योंकि जो काम आप नहीं करना चाहते और फिर भी करते हैं, तो कीमत तो चुकानी ही पड़ती है। इसलिए बाद में कोई कीमत चुकाने से बेहतर पहले ही चुका लें, क्योंकि शुरुआत में यह सबसे छोटी होती है।

सफलता दिलाएंगे इन्हें 'नहीं' कहना: जिस दिन आप यह तय कर लेते हैं कि मैं अपनी तुलना 'नहीं' करूंगा, उसी दिन आप अपनी प्रतिभा से असफल होने से बच जाते हैं। तुलना सफलता से दूर करती है। सोशल मीडिया के दौर में तो तुलना एक धीमा जहर बन चुकी है।

खुद को हर जगह साबित 'नहीं' करने का निर्णय भी कारगर है। दरअसल, हर जगह अपनी काबिलियत दिखाने की कोई जरूरत नहीं होती, क्योंकि सभी जगहें आपकी सफलता नहीं तय करती हैं। इसलिए अपनी काबिलियत वहीं दिखाइए, जहां वाकई उसकी जरूरत है। लोग क्या कहेंगे, इस डर से अनचाहा फैसला 'नहीं' करना भी जरूरी है। जिस दिन आप फैसले लेने में 'लोग क्या कहेंगे' को माइनस कर लेते हैं तो आपके सारे फैसले सही होने लगते हैं। आजकल एक धारणा बन चुकी है, जो व्यस्त है, वही सफल है। जिस दिन आप इस भेड़चाल को मानने से इनकार कर देंगे, उस दिन से सफलता आपके कदम चूमेगी। रिश्ता भी वही स्वस्थ होता है, जिसमें सम्मान हो और जिसे याद करते हुए भी खुशी हो। जिस रिश्ते को याद करके खुशी न हो, उसे तोड़ना ही बेहतर होता है। *

निवेश, बचत और फाइनेंस से संबंधित अन्य कई पहलुओं को लेकर अकसर लोग असमंजस या भ्रम की स्थिति में रहते हैं। एक सुरक्षित वित्तीय भविष्य के लिए जरूरी है कि आप वित्त से संबंधित इन मिथ और फैक्ट को अच्छी तरह जानें-समझें।

समृद्ध जीवन के लिए समझें फाइनेंस से जुड़े मिथ-फैक्ट

सजेशन
अंजू जैन

हमारे मन में पैसों को लेकर पारंपरिक तौर पर कई ऐसी धारणाएं बैठा दी गई हैं, जो भ्रम होती हैं। घर की फाइनेंसियल कंडीशन अच्छी रखने के लिए ऐसे भ्रमों और उनसे जुड़े सच के बारे में जानना जरूरी है। इससे आप सुखी और समृद्ध रहेंगे।

मिथ: अगर आपकी इनकम ज्यादा है तो आप अमीर हो ही जाएंगे।

फैक्ट: अमीर होना सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आप कितना कमाते हैं, बल्कि इस पर भी निर्भर करता है कि आप कितना बचाते हैं और कितनी समझदारी से निवेश करते हैं। मार्गन हाउसेल अपनी किताब 'द साइकोलॉजी ऑफ मनी' में लिखते हैं कि असली धन वह है, जो लोगों को सामने दिखाई नहीं देता बल्कि जिसे आपने अच्छी जगह निवेश कर रखा है। जैसे जमीन-जायदाद, शेयर, सोना, चांदी, एफडी, म्यूचुअल फंड आदि।

मिथ: घर खरीदना हमेशा ही एक बेहतरीन संपत्ति मानी जाती है।

फैक्ट: नहीं, अगर घर का मेंटेनेंस बहुत ज्यादा है, आपके कार्यस्थल से दूर है, डेली शॉपिंग की सुविधा नजदीक नहीं है या इसकी रीसेल वैल्यू बढ़ने वाली नहीं है तो आपके लिए यह नुकसानदायक ही होगा। रॉबर्ट कियासाकी अपनी पुस्तक 'रिच डैड-पुअर डैड' में बताते हैं कि अगर आपका घर आपकी जेब से विभिन्न मदों में पैसा निकाल रहा है तो वह एक लायबिलिटी है, एसेट नहीं। एसेट वह है, जो आपकी जेब में पैसा डाले।

मिथ: निवेश करने के लिए बहुत सारे पैसों की जरूरत होती है।

फैक्ट: निवेश के लिए इसकी आदत और खर्च पर नियंत्रण जरूरी होता है। पुस्तक 'द रिचेस्ट मैन इन बेबीलोन' के अनुसार, अपनी कमाई का कम से कम 10 प्रतिशत हिस्सा खुद के लिए बचाकर निवेश की शुरुआत करना ही सबसे बड़ी रणनीति है। 'कंपाउंडिंग' की शक्ति कम पैसों से भी बड़ा फंड बना सकती है।

मिथ: कर्ज हमेशा नुकसानदायक ही होता है।

फैक्ट: विशेषज्ञ 'अच्छे कर्ज' और 'बुरे कर्ज' में फर्क बताते हैं। अगर कर्ज का उपयोग ऐसी चीज खरीदने के लिए किया जाए, जिसकी वैल्यू बढ़े या जो आय पैदा करे (जैसे बिजनेस लोन), तो वह अच्छा कर्ज है। लेकिन लग्जरी, झूठे दिखावे और फिजूल चीजों के लिए कर्ज लेना गलत है।

मिथ: ज्यादा जोखिम मतलब ज्यादा मुनाफा।

फैक्ट: बिल्कुल नहीं। सफल निवेशक हमेशा जोखिम कम करने पर ध्यान देते हैं। बेंजामिन ग्राहम की पुस्तक 'द इंटेलिजेंट इंवेस्टर' सिखाती है कि अपनी पूंजी की सुरक्षा का ख्याल रखना और सोच-समझकर निवेश का विविधीकरण करना ही असली समझदारी है।

मिथ: रिटायरमेंट का मतलब 'काम बंद और पूरा आराम करना' है।

फैक्ट: हमेशा याद रखें कि खाली दिमाग शैतान का घर होता है। बिना किसी काम के शरीर और दिमाग को जंग लग जाती है। इससे दिमाग परेशानियों और बीमारियों में उलझ जाता है। बेहतर होगा कि रिटायर होने के बाद पसंदीदा काम करें और उससे चार पैसा कमाने की सोचें। टिम फेरिस की पुस्तक 'द 4-आवर वर्कवीक' के अनुसार, वित्तीय स्वतंत्रता का मतलब काम छोड़ना नहीं, बल्कि पसंद का काम करने की आजादी होना है।

मिथ: बजट बनाना खुद पर पाबंदी लगाना है।

फैक्ट: बजट आपको यह नहीं बताता कि आप क्या नहीं कर सकते, बल्कि यह तय करता है कि आपका पैसा कहां जाना चाहिए? यह आपको फिजूलखर्ची से बचाकर आर्थिक आजादी की ओर ले जाता है।

मिथ: अमीर लोग अकसर कंजूस होते हैं।

फैक्ट: अमीर लोग समझदार होते हैं, सोच-समझकर खर्च करते हैं और अपनी इसी आदत के कारण वे अमीर बनते हैं। थॉमस जे. स्टेनली की पुस्तक 'द मिलिनेयर नेक्स्ट डोर' के अनुसार, ज्यादातर करोड़पति साधारण जीवन जीते हैं। वे 'दिखावे' पर नहीं बल्कि 'वित्तीय स्वतंत्रता' पर खर्च करते हैं।

मिथ: पैसा ही सारी बुराइयों की जड़ है।

फैक्ट: यह एक बहुत पुराना भ्रम है। असल में पैसा नहीं 'पैसे का लालच' समस्याओं की जड़ है। पैसा अपने आप में केवल एक जरिया यानी टूल है, जो आपके पास मौजूद संसाधनों को बढ़ाने की क्षमता रखता है।

मिथ: निवेश के लिए मार्केट को 'टाइम' करना (सही समय का इंतजार) जरूरी है।

फैक्ट: 'टाइम इन द मार्केट' (बाजार में समय बिताना) 'टाइमिंग द मार्केट' (बाजार का सही समय चुनना) से कहीं ज्यादा शक्तिशाली है। नियमित रूप से निवेश करना (जैसे एस आई पी के जरिए) और धैर्य रखना ही धन सृजन का सबसे विश्वसनीय तरीका है। शेयर बाजार में 'कब' निवेश करना है, इससे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि आप 'कितने समय' तक निवेशित रहते हैं, क्योंकि निरंतरता ही वेल्थ क्रिएशन की असली कुंजी है। बाजार में अधिक समय बिताने से लंबी अवधि में चक्रवृद्धि ब्याज और धैर्य के कारण बेहतर रिटर्न मिलता है, जो पोर्टफोलियो को बढ़ने का मौका देता है। *

(वित्तीय सलाहकार प्रदीप अग्रवाल और चार्टर्ड अकाउंटेंट शुभम तोदी से बातचीत पर आधारित)

'हम दोनों' का गीत 'अभी न जाओ..'

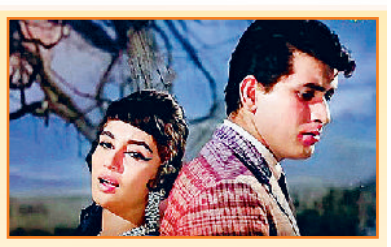

'वो कौन थी' का गीत 'लग जा गले..'

अब क्यों नहीं बन पाते रूहानी सुकून देते गीत

पुराने फिल्मी गीतों को आज भी सुनें, तो ऐसा लगता है मानो किसी ने कानों में मिश्री घोल दी हो। ठहराव और सकून से भरे ये गीत सीधे रूह में उतरते हैं। आज ऐसे गीत कम ही बनते हैं। बॉलीवुड सॉन्ग्स के इस बदले हुए ट्रेंड पर एक नजर।

बॉलीवुड ट्रेंड
डी. जे. नंदन

कई फिल्मी गीत ऐसे होते हैं, जो सीधे दिल में उतरते हैं। बीते दौर के सदाबहार गीतों पर यह बात पूरी तरह लागू होती है। ये गाने सुनने के दौरान ही नहीं बल्कि उसके बाद भी देर तक दिलो-दिमाग में गूंजते रहते हैं। अब ऐसे गीत कम ही बनते हैं। आज ऐसे गीत कम इसलिए नहीं हैं कि प्रतिभा खत्म हो गई है, बल्कि इसलिए कि दिल तक पहुंचने का रास्ता बदल गया है और यह छोटा भी कर दिया गया है। अगर हम आज के बॉलीवुड गीत-संगीत को ध्यान से सुनें, तो साफ पता चलता है कि मंद्र सप्तक यानी नीचे सुर में गाए गए, ठहरे हुए, भावप्रधान और गहराई वाले गीत अब अपवाद बनते जा रहे हैं।

सदाबहार गीतों का दौर: बीते दौर के गीतों को सुनते हुए एक सुकून, एक ठहराव-सा महसूस होता है। मसलन, फिल्म 'वो कौन थी' के इस गीत पर गौर करें, 'लग जा गले...'(स्वर-लता मंगेशकर, संगीत-मदन मोहन) यह गीत सुकून की पराकाष्ठा पर पहुंचाता है। आवाज में न कोई जल्दबाजी है, न दिखावा। बस एक अंतिम आग्रह, जो सरगोशी में भी अमर हो गया। इसी

'अमर प्रेम' का गीत 'चिंगारी कोई भड़के'

तरह फिल्म 'अमर प्रेम' का 'चिंगारी कोई भड़के...'(स्वर-किशोर कुमार, संगीत-आर. डी. बर्मन), किशोर कुमार का यह गीत यह साबित करता है कि मध्यम और नीचा सुर कमजोरी नहीं, गीत की ताकत भी होती है। 'अभी न जाओ छोड़कर...'(फिल्म 'हम दोनों', स्वर-मोहम्मद रफी और आशा भोसले, संगीत-जयदेव) गीत को सुनें तो इस गीत में संवाद है, आग्रह है और प्रेम का सभ्य ठहराव है। सुर इतने संयमित हैं कि आज भी इस गीत को सुनते हुए लोग इसमें खो जाते हैं। ऐसे ही 'कहीं दूर जब दिन ढल जाए...' (फिल्म 'आनंद', स्वर-मुकेश, संगीत- सलिल चौधरी) गीत दिन और जीवन- दोनों के ढलने का संगीतात्मक रूपक है। और इसी तरह 'वो शाम कुछ अजीब थी..' (फिल्म 'खामोशी', स्वर-किशोर कुमार, संगीत- हेमंत कुमार) गीत में सुर सिर्फ चलते ही नहीं, ठहरते भी हैं। यही ठहराव इस गीत की आत्मा है।

क्यों कम बन रहे ऐसे गीत: सवाल यह है कि आज के समय में बीते दौर की तरह सुकूनदायक, रूहानी और ठहराव भरे गीत क्यों नहीं बनते? खोजने पर इसके कई कारण निकलकर सामने आते हैं। जैसे-आज के गीत 'सुनाई देने' के लिए बनाए जाते हैं, 'महसूस होने' के लिए नहीं। तेज बीट्स और ऊंचे सुर तुरंत ध्यान खींचते हैं, जबकि नीचे सुर धीरे और स्थायी असर करते हैं। आज की फास्ट लाइफ, मोबाइल स्पीकर, रील्स और जिम प्लेलिस्ट को ध्यान में रखकर बनाए जा रहे गीतों में वो सुकून, वो ठहराव महसूस करना मुश्किल है। आज के समय में म्यूजिक कंपनियां चाहती हैं पहले 10 सेकेंड में ही हिट और व्यूज मिल जाए। नीचे सुर वाला गीत धीरे खुलता है, इसलिए उसे आज के दौर में 'रिस्की' माना जाता है।

वॉल्यूम-बीट्स को महत्व: बीते दौर में गायक फिल्म के किरदार से पहले गीत के भाव खोजते थे। आज के अधिकतर गाने में एक्टर और उसकी स्क्रीन इमेज का पहले ध्यान रखा जाता है। इस प्रयास में कई बार गायकी पर वॉल्यूम और बीट्स भारी पड़ जाते हैं।

'ऐ दिल है मुश्किल' का गीत 'चन्ना मेरेया'

शास्त्रीय प्रशिक्षण की कमी: नीचे और मध्यम सुर में गाना आसान नहीं होता। इसके लिए रियाज, सांस पर नियंत्रण और धैर्य चाहिए होता है, जो आज के गायकों में कम होता जा रहा है।

कभी-कभार सुनाई पड़ते हैं मधुर गीत: अच्छे, मधुर गीत भले ही आज फिल्म संगीत के हाशिए पर चले गए हैं, लेकिन ये पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। आज भी कुछ मधुर गीत बन रहे हैं, जो बिना शोर किए दिल में उतर जाते हैं। उदाहरण के तौर पर हम आज के दौर के कुछ बेहतरीन सीधे रूह में उतरने वाले गीतों को देख सकते हैं- फिल्म 'तमाशा' के गीत 'अगर तुम साथ हो..' (गायक-अरिजीत सिंह और अलका याग्निक, संगीत- ए. आर. रहमान) गीत आज के दौर में मधुर गीत की सबसे सशक्त वापसी है। अलका याग्निक की आवाज पुराने दौर की गंभीरता लौटाती है, जबकि अरिजीत का संयम गीत को समकालीन बनाता है। इसी तरह फिल्म 'ऐ दिल है मुश्किल' के गीत 'चन्ना मेरेया..' (गायक-अरिजीत सिंह, संगीत- प्रीतम) का मुखड़ा भले ही ऊंचाई छूता हो, लेकिन गीत का अंतरा और भावात्मक आधार नीचे सुर में ही बैठे हैं। यह गीत इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि कम ही सही लेकिन आज भी नीचे सुर के भावप्रवण गीत लोगों को खूब भाते तो हैं ही, फिल्म मेकर्स को व्यावसायिक सफलता भी दिलवा सकते हैं।

बाजार का है दबाव: आज का संगीत उद्योग जिनके हिसाब से चलता है, उनमें से बड़ी संख्या रील देखने वाले युवाओं की है। पहले 10 सेकेंड में रुकने या स्क्रॉल करने वाले श्रोता और दर्शक, जिनकी पसंद पर पैसा, प्रमोशन और ट्रेंड तय होता है- वे तेज, ऊंचे और तुरंत पकड़ में आने वाले सुर चाहते हैं। मध्यम और नीचे सुर का गीत धीरे खुलता है, दो-तीन बार सुनने पर असर करता है, अकेलापन और ठहराव की मांग करता है। आज के संगीत प्रेमियों और इंडस्ट्री को गायक से ज्यादा परफॉर्मर चाहिए। लाइव शो, डांस, स्क्रीन प्रेजेंस भी मायने रखता है। इन्हीं सब पहलुओं को ध्यान में रखकर आज के गीत-संगीत को रचा जाता है। देखा जाए, तो मामला सीधा-सीधा प्रोफेशनल प्रेशर के साथ ही 'डिमांड एंड सप्लाई' का माना जा सकता है। *